हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 3 मई 2026

तापमान
अधिकतम 41.1 डिग्री
न्यूनतम 20.4 डिग्री

7 पदकों के साथ रोहतक सातवें स्थान पर ... 11

सुखपुरा चौक से बस स्टैंड तक हर दिन दांव पर ... 12

कोचिंग सेंटर रहेंगे बंद, बस पानी, मेडिकल सुविधाएं मिलेंगी

17 केंद्रों पर नीट-यूजी : आज 5307 छात्र देंगे परीक्षा

- परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी
- तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू
- बायोमेट्रिक सत्यापन मोबाइल जैमर, कड़ी जांच प्रक्रिया रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रविवार को होने वाली नीट (यूजी) (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) 2026 परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। डीसी सचिन गुप्ता ने बताया कि नीट परीक्षा का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा 3 मई को दोपहर बाद 2 बजे से सायं 5 बजे तक ऑफलाइन मोड में करवाया जाएगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों पर सुबह 11 बजे से डेढ़ बजे तक पहुंचना होगा और डेढ़ बजे के बाद परीक्षा केंद्रों में प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। जिले में नीट परीक्षा के लिए 17 परीक्षा केंद्र बनाएं है, जिन पर 5307 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

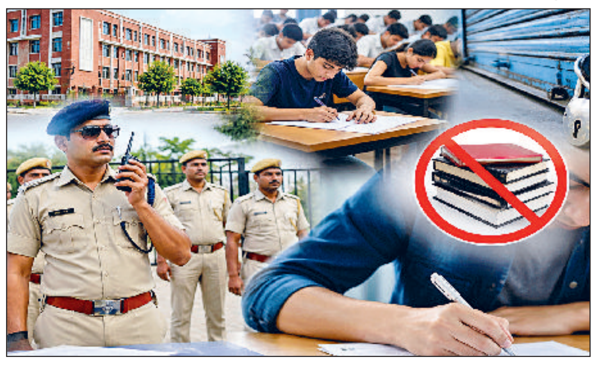

जिलाधीश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू करते हुए परीक्षा के दौरान सख्त प्रतिबंधों के आदेश जारी किए हैं। परीक्षा रविवार को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। आदेशों के अनुसार परीक्षा अवधि के दौरान बाहरी व्यक्तियों की अनावश्यक आवाजाही, अवांछित गतिविधियों और कोचिंग संस्थानों द्वारा अनुचित सामग्री उपलब्ध कराए जाने की आशंका को देखते हुए जिले के सभी कोचिंग व ट्यूशन सेंटर बंद रहेंगे। आदेशों का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि यह आदेश ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों और सरकारी कर्मचारियों पर लागू नहीं होंगे।

किसी भी परीक्षार्थी को असुविधा नहीं होनी चाहिए: उपायुक्त

जिला में इस बार कुल 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां हजारों परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परीक्षार्थी को असुविधा नहीं होनी चाहिए और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सभी गाइडलाइन का सख्ती से पालन किया जाए। परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उत्तर हरियाणा बिजली निगम को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, शौचालयों की सफाई के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हरियाणा रोडवेज द्वारा विशेष बस सेवाएं चलाई जाएंगी। सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए और शाम 5 बजे से 7 बजे तक वापसी के लिए बसों का संचालन किया जाएगा।

हर परीक्षा केंद्र पर डॉक्टर और एंबुलेंस तैयार रहेगी

स्वास्थ्य सेवाओं के तहत प्रत्येक परीक्षा केंद्र के लिए डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है तथा नजदीक एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए रेडक्रॉस समिति द्वारा व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन और कड़ी जांच व्यवस्था लागू की जाएगी। पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित ने बताया कि परीक्षा केंद्रों को 24 घंटे पहले से सैनिटाइज किया जाएगा और प्रश्न पत्रों के सुरक्षित परिवहन के लिए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जारी निर्देशों का पालन करें और परीक्षा के शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग दें। सभी विभागों के आपसी समन्वय से परीक्षा को पूरी पारदर्शिता और सख्ती के साथ संपन्न कराया जाएगा।

सुसाइड नोट में सुपरवाइजर समेत 4 पर गंभीर आरोप

डयूटी विवाद से टूटी हिम्मत: नागरिक अस्पताल की महिला कर्मी ने निगला जहर

▶▶ हालत बिगड़ने पर पीजीआई रेफर ▶▶ डॉक्टर्स रख रहे कड़ी निगरानी

- घटना के बाद अस्पताल प्रशासन, स्टाफ और पुलिस महकमे में हलचल तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सिविल अस्पताल में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला डाटा एंट्री ऑपरेटर ने कथित मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर जहरीला पदार्थ निगल लिया। अचानक तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल स्टाफ के बीच अफरा-तफरी मच गई। महिला को तुरंत आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे पीजीआई रेफर करना पड़ा, जहां फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन, स्टाफ और पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। मामले में एक सुसाइड नोट भी सामने आया है, जिसमें महिला ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उठाया खौफनाक कदम

जानकारी के अनुसार गांव छोछी निवासी रेखा सिविल अस्पताल की एक डिस्पेंसरी में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थीं। बताया जा रहा है कि उनकी ड्यूटी को लेकर पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। शनिवार को जब रेखा ड्यूटी पर पहुंची तो उन्हें आयुष्मान विभाग में काम करने के लिए कहा गया। इसी दौरान ड्यूटी शेड्यूल को लेकर मतभेद बढ़ गया। आरोप है कि उन्हें अचानक नाइट ड्यूटी करने के लिए कहा गया, जिस पर उन्होंने असमर्थता जताई। बताया जा रहा है कि इसी विवाद के चलते रेखा ने डिस्पेंसरी में रखा कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया। जैसे ही उनकी हालत बिगड़ी, मौके पर मौजूद स्टाफ ने तुरंत उन्हें संभाला और इमरजेंसी में भर्ती कराया।

रोहतक। महिला कर्मचारी को स्टेचर पर ले जाते हुए।

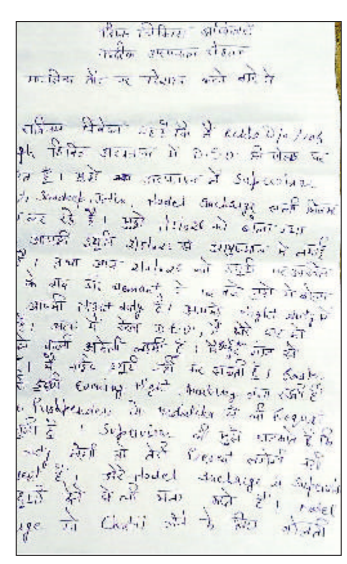

सुसाइड नोट फोटो: हरिभूमि

महिला की हालत गंभीर

सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद भी महिला की स्थिति में सुधार नहीं हुआ। डॉक्टरों ने स्थिति को गंभीर देखते हुए तुरंत पीजीआई रेफर कर दिया। फिलहाल रेखा का इलाज पीजीआई के इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है। डॉक्टरों की टीम उनकी हालत पर लगातार नजर बनाए हुए है।

सुसाइड नोट में प्रताड़ना के आरोप

मामले को और गंभीर बनाता है रेखा का सुसाइड नोट, जिसमें उन्होंने अपने सुपरवाइजर अमित, संदीप, जतिन और नोडल इंचार्ज सन्नी पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। रेखा ने लिखा कि उन्हें जबरन नाइट ड्यूटी करने के लिए कहा गया, जबकि वह पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते रात में ड्यूटी नहीं कर सकतीं। उन्होंने यह भी बताया कि वह करीब 35 किलोमीटर दूर से रोजाना ड्यूटी पर आती हैं और घर की जिम्मेदारी भी अकेले संभालती हैं। सुसाइड नोट में उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने नाइट ड्यूटी करने से मना किया तो सुपरवाइजर ने उन्हें हाजिरी न लगाने की धमकी दी। छुट्टी मांगने पर भी उन्हें टालमटोल किया गया।

प्रशासन से शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

रेखा ने अपने नोट में लिखा कि उन्होंने इस मामले की शिकायत सिविल अस्पताल के मेडिकल सुपरीटेंडेंट तक भी पहुंचाई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि नोडल इंचार्ज और सुपरवाइजर के बीच जिम्मेदारी टालने का खेल चलता रहा, जिससे वह लगातार मानसिक दबाव में थीं। रेखा ने साफ शब्दों में लिखा कि यदि उन्हें कुछ होता है तो इसके लिए अस्पताल प्रशासन जिम्मेदार होगा।

अधिकारियों से नहीं हो पाया संपर्क

घटना के बाद जब संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो सिविल अस्पताल के सीएमओ डॉ. रमेश चंद्र और मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ. पुष्पेंद्र से बात नहीं हो सकी। अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न आने से मामले में कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

परिजनों के बयान का इंतजार

घटना की सूचना मिलते ही आर्य नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि महिला के बयान और परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सुसाइड नोट और अस्पताल स्टाफ से पूछताछ के आधार पर पूरे मामले की पड़ताल कर रही है।

चलते ट्रक में आग, प्लास्टिक दाना जला

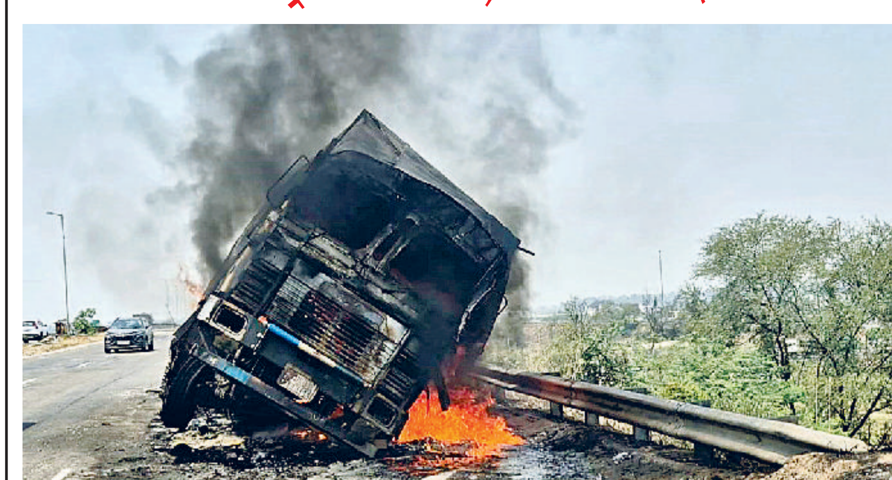

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू

रोहतक। झज्जर रोड पर शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव मायना के पास एक चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। चालक की सूझबूझ से आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन कुछ ही देर बाद आग दोबारा भड़क उठी और देखते ही देखते भीषण रूप धारण कर लिया। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक ट्रक और उसमें भरा प्लास्टिक का दाना पूरी तरह जलकर राख हो चुका था।

शॉर्ट सर्किट की आशंका

सूचना मिलते ही शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। पुलिस का कहना है कि ट्रक चालक के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। अगर आग आसपास के क्षेत्र में फैलती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। लोगों की तत्परता और फायर ब्रिगेड ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

पीडीएस में नई व्यवस्था लागू, आएगी पारदर्शिता

अब राशन लेने के लिए करवानी होंगी आंखें स्कैन

- आईरिस स्कैनिंग से पहचान होगी सटीक, रुकेगा फर्जीवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी और लक्षित बनाने के लिए अब राशन वितरण में आईरिस स्कैनिंग तकनीक लागू की जा रही है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के पास नई मशीनें पहुंच चुकी हैं, जिससे पहचान की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। अब तक लाभार्थियों की पहचान आधार कार्ड और फिंगरप्रिंट के जरिए की जाती थी, लेकिन बुजुर्गों, मजदूरों और खेतों में काम करने वाले लोगों को अक्सर फिंगरप्रिंट मिलान में परेशानी होती थी। ऐसे में आंखों की पुतली की पहचान पर आधारित आईरिस स्कैनिंग को अधिक सटीक और विश्वसनीय विकल्प माना जा रहा है। यह तकनीक व्यक्ति की आंखों के यूनिक पैटर्न को पहचानती है, जो समय के साथ बदलता नहीं है। सरकार का मानना है कि नई व्यवस्था से फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगेगी और वास्तविक जरूरतमंदों तक राशन पहुंच सकेगा। लंबे समय से राशन वितरण में गड़बड़ी और गलत तरीके से उठान की शिकायतें सामने आती रही हैं, जिन्हें इस तकनीक से कम करने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस बदलाव को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई बुजुर्ग और कम पढ़े-लिखे लोग नई प्रक्रिया को लेकर असहज हैं, जबकि कुछ लोग इसे पारदर्शिता बढ़ाने वाला सकारात्मक कदम मान रहे हैं।

अभी चुनिंदा क्षेत्रों में लागू किया जाएगा

विभाग के अनुसार शुरुआत में यह व्यवस्था चुनिंदा क्षेत्रों में लागू होगी, जिसे बाद में पूरे प्रदेश में विस्तार दिया जाएगा। लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाए जाएंगे। साथ ही, तकनीकी दिक्कत आने पर पात्र व्यक्ति राशन से वंचित न रहे, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी रखी जाएगी।

पीड़ित की शिकायत दर्ज नहीं करने पर गिरी गाज

महम थाना एसएचओ रविंद्र और हवलदार नरेश सस्पेंड

▶▶ सीएम सैनी के दरबार में पहुंच गया शिकायतकर्ता, हुई कार्रवाई

- 16 अप्रैल से शिकायत दर्ज करवाने के लिए घूम रहा था फरमाणा का शशि कुमार
- एसपी रोहतक ने लिया तुरंत एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

यदि पिछले कुछ वर्षों के रिकॉर्ड को देखें तो महम थाने में जो भी एसएचओ आए हैं, वे ठीक ठाक वापस यहां से नहीं गए। हालांकि शुरूआती दौर में यहां आने वाले थाना प्रभारी अच्छा काम करते हैं। पहले पहल वे विनम्र रहते हैं। लेकिन जब उन्हें महम इलाके का हिसाब आ जाता है तो वे कुछ ज्यादा ही रौब दिखाने लगते हैं। लेकिन उनका यह रुआब उनके लिए ही मुसीबत बन जाता है। कुछ थाना प्रभारियों ने इतना ज्यादा भ्रष्टाचार फैलाया कि उच्च अधिकारियों ने उनको सस्पेंड करना पड़ा। लेकिन इस बार के एसएचओ पर भ्रष्टाचार का आरोप तो नहीं लगा। लेकिन उन्होंने एक पीड़ित व्यक्ति की शिकायत दर्ज नहीं की। फरमाणा खास गांव निवासी शशि कुमार पुत्र लाल चंद 16 अप्रैल से थाने में आया था। उसने पुलिस से कहा था कि गांव के ही दीपक पुत्र जय सिंह ने उसके खेत से रात को सवा एकड़ गेहूं की फसल निकाल ले गया। शशि कुमार का कहना है कि थाना प्रभारी और जांच अधिकारी नरेश ने उसकी एक नहीं सुनी। उसके बाद वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दरबार में पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीरता से लिया। रोहतक एसपी ने भी मामले में तुरंत एक्शन लिया। शिकायतकर्ता की शिकायत पर 30 अप्रैल को दीपक पुत्र जय सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया गया। एसपी रोहतक ने महम थाना प्रभारी रविंद्र और आईओ नरेश हवलदार को सस्पेंड कर दिया। अब रोहतक में तैनात नीरज कुमार को महम थाने का एसएचओ लगाया गया है। नीरज कुमार ने महम थाना प्रभारी का कार्यभार संभाल लिया है।

दीपक ने शिकायतकर्ता के परिवार से खरीद रखी जमीन

इस मामले में दीपक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दीपक ने शिकायतकर्ता के परिवार से जमीन खरीद रखी है। इस जमीन को लेकर शिकायतकर्ता शशि कुमार व दीपक के बीच विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट तक पहुंच चुका है। दीपक का कहना है कि उसने खेत से गेहूं नहीं निकाली। उन्होंने खुद ही गेहूं निकाल लिए और उस पर झूठा आरोप लगा रहे हैं। यदि निष्पक्ष जांच की जाएगी तो सच्चाई सामने आ जाएगी। जो ट्रैक्टर चालक मंडी में गेहूं लेकर गया था, वह बता देगा कि गेहूं किसने बेची है। हालांकि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही सच्चाई का पता चल पाएगी। लेकिन एक बार तो इस मामले में एसएचओ और आईओ को सस्पेंड कर दिया गया है और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

इमसार के तरुण का एशियन पेंट्स में 12.5 लाख वार्षिक पैकेज पर चयन

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा एशियन पेंट्स के सहयोग से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें इमसार के छात्र तरुण का 12.5 लाख रुपए वार्षिक पैकेज पर सर्विस रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव पद पर किया। प्लेसमेंट ड्राइव में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। तरुण की यह उपलब्धि न केवल उनकी मेहनत और समर्पण को दर्शाती है, बल्कि संस्थान की गुणवत्ता शिक्षा और मजबूत प्लेसमेंट प्रणाली का भी प्रमाण है। निदेशक प्रो. प्रदीप के. अहलावत ने तरुण को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास छात्रों को बेहतर करियर अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लाखन माजरा: खरैंटी में सीएससी सेंटर संचालक से 20 हजार रुपये की ठगी

लाखन माजरा। लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव खरैंटी से सीएससी सेंटर संचालक के साथ 20 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में खरैंटी गांव निवासी नवीन पुत्र दिलबाग ने बताया कि वह गांव में ही गिल सीएससी सेंटर के नाम से सीएससी सेंटर चलाता है। उसके मोबाइल पर एक कॉल आई, जिसमें सामने वाले ने अपना नाम रविंद्र बताया। उसने उससे कहा कि वह गांव में सीमेंट सप्लाई करता है। उसने कहा कि उसको किसी के पास पैसे डलवाने हैं। वह उसके पास उसके गांव में रेती, बजरी और सीमेंट का काम करने वाले कप्तान को भेज रहा है। कुछ समय बाद उसके पास कप्तान पहुंच गया। कप्तान ने अपने मोबाइल से रविंद्र के साथ बात करवा दी। नवीन का कहना है कि जिस वक्त कप्तान के मोबाइल फोन से बात चल रही थी, उसी दौरान उसके मोबाइल फोन पर रविंद्र ने स्केनर भेज दिया। उसने सोचा कि पैसे कप्तान देगा। उसने भरोसा करके 20 हजार रुपये स्केनर में डाल दिए। उसके बाद उसने कप्तान से पैसे मांगे तो उसने बताया कि वह तो रविंद्र के कहने पर उससे पैसे लेने आया है। पीड़ित ने पुलिस से ठग की पहचान कर उससे उसके 20 हजार रुपए दिलवाने और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बैंकिंग, फाइनेंस, टैक्स और डेटा एनालिटिक्स में दक्ष बनेंगे छात्र

अब सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं बीकॉम स्किल, इंटर्नशिप और इंडस्ट्री पर भी फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक।

उच्च शिक्षा के बदलते परिदृश्य में कॉमर्स की पढ़ाई अब पारंपरिक ढांचे से बाहर निकलकर नए दौर में प्रवेश कर रही है। बीकॉम कोर्स को अब केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसे बैंकिंग, फाइनेंस, टैक्स कंसल्टेंसी, डेटा एनालिटिक्स और उद्यमशीलता जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों से जोड़ा गया है। नई शिक्षा नीति के तहत तैयार यह पाठ्यक्रम छात्रों को जॉब-रेडी बनाने पर केंद्रित है, जिसमें डिजिटल स्किल्स, इंटर्नशिप और इंडस्ट्री एक्सपोजर को विशेष महत्व दिया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि उन्हें करियर के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है। इस बदलाव से कॉमर्स के छात्रों के लिए रोजगार और उच्च शिक्षा के नए अवसर खुलने की उम्मीद है, जिससे उनका भविष्य और अधिक सुरक्षित व सशक्त बन सकेगा।

स्टूडेंट गाइड : बीकॉम करेगा जॉब-रेडी

अलग खबर

छात्रों को कुशल बना रहा

नेकीराम कॉलेज में कॉमर्स विभाग के प्रो. सतीश खासा ने बताया कि पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को केवल डिग्री धारक बनाने के बजाय उन्हें व्यावहारिक रूप से कुशल बनाना है। इसमें डिजिटल टूल्स के उपयोग और वित्तीय साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण मॉड्यूल शामिल किए गए हैं, जो छात्रों को भविष्य की वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे और छात्रों आत्मनिर्भर बनाएंगे।

मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत इस पाठ्यक्रम में मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम लागू किया गया है, जिससे छात्रों को अपनी सुविधानुसार शिक्षा जारी रखने या बीच में छोड़ने का लचीला विकल्प मिलेगा। इसके अलावा, अकादमिक क्षेत्र और अनुसंधान में रुचि रखने वाले मेधावी छात्रों के लिए ऑनर्स विद रिसर्च ट्रैक का विशेष विकल्प उपलब्ध कराया गया है। चार वर्षीय डिग्री शोध आधारित शिक्षा पर केंद्रित होगी, जिससे छात्र सीधे पीएचडी या उच्च स्तरीय अकादमिक पदों के लिए पात्र हो सकेंगे।

इन कॉलेजों में ले सकते हैं दाखिले

कॉलेज	सीट	फीस
जाट कॉलेज रोहतक	160	16100
गौड़ कॉलेज रोहतक	160	11720
महारानी किशोरी कॉलेज	140	9800
नेकीराम कॉलेज	320	6092
वैश्य महिला कॉलेज	160	12600
वैश्य कॉलेज	160	12500
हिंदू कॉलेज	240	14400
सैनी कॉलेज	80	18000
गवर्नमेंट कॉलेज महम	160	5592
गवर्नमेंट कॉलेज लाखनमाजरा	80	5412
महिला महाविद्यालय	440	5552
गवर्नमेंट महिला कॉलेज सांपला	80	5712
एसजेके कॉलेज कलानौर	80	12158

इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा के लिए चार्जिंग प्वाइंट स्टेशन बनना शुरू

आठ माह में बनेगा आधुनिक बस स्टैंड, 50 नई बसों के संचालन की तैयारी

■ 14.89 करोड़ की लागत से तैयार होगा चार्जिंग स्टेशन युक्त डिपो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। परिवहन विभाग की ओर से इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा के विस्तार के लिए, बस स्टैंड और चार्जिंग स्टेशन के निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। यह परियोजना अगले 8 महीनों में पूरी होने की उम्मीद है, जिससे शहरवासियों को बेहतर और सुविधाजनक परिवहन सेवाएं मिल सकेंगी। इस परियोजना के तहत लगभग 14.89 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक आधुनिक बस स्टैंड का निर्माण किया जाएगा। यह स्टैंड करीब 3.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा, जहां इलेक्ट्रिक बसों के संचालन और रखरखाव की सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। विशेष रूप से यहां 10 चार्जिंग मशीनें स्थापित की जाएंगी, ताकि इलेक्ट्रिक बसों को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। वर्तमान में शहर में केवल पांच सिटी बसें संचालित हो रही हैं, लेकिन विभाग की योजना के अनुसार जल्द ही 50 नई इलेक्ट्रिक बसें डिपो में शामिल की जाएंगी। इन बसों के आने से शहर के विभिन्न रूटों पर परिवहन व्यवस्था में सुधार होगा और यात्रियों को अधिक विकल्प मिलेंगे। संबंधित एजेंसी ने पूरे क्षेत्र की ग्रीन नेट से घेराबंदी कर दी है। सुरक्षा और निर्माण कार्य में बाधा न आए, इसके लिए आम लोगों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई है। खासकर जो यात्री शॉर्टकट के तौर पर इस रास्ते का उपयोग करते थे, उन्हें अब वैकल्पिक मार्ग अपनाना होगा।

पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

जिस स्थान को चार्जिंग स्टेशन के लिए चिन्हित किया गया है, वहां वर्तमान में एक पुलिस चौकी स्थित है। इस चौकी को जल्द ही किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से ईंधन की खपत में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

बस स्टैंड परिसर में मौजूद चौकी भी हटाई जाएगी

रोहतक से महम के लिए 8 बसें, सांपला के लिए 8 बसें, कलानौर के लिए 6 बसें, महिला गवर्मेंट कॉलेज लाखनमाजरा के लिए 6 बसें, महिला गवर्मेंट कॉलेज मोखरा के लिए 2 बसें, सांघी तकनीकी कॉलेज के लिए 2 बसें, न्यू बस स्टैंड से वाया दिल्ली बाईपास पीजीआई के लिए छह बसें, शहर के अन्य लोकल रूट ओर कॉलेज के लिए 6 बसें, पीटीसी सुनारिया के लिए 4 बसें व इंडस्ट्रीयल एरिया व बलियाणा के लिए भी दो बसें निर्धारित की गई हैं। यह सभी बसें सीसीटीवी से लैस होंगी। इनमें स्मोकिंग सेंसर तक काम करेंगे ताकि कोई बस के अंदर बीड़ी व सिगरेट का सेवन न कर सकें। इन बसों में कुछ बसें एसी को कुछ नान एसी बसें भी चलेगी। लेकिन एसी बस में नार्मल किराये से पांच रुपये ज्यादा किराया वसूला जाएगा।

परिवहन विभाग ने शुरू किया निर्माण कार्य

परिवहन विभाग की ओर से इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा के विस्तार के लिए बस स्टैंड और चार्जिंग स्टेशन के निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। यह परियोजना अगले 8 महीनों में पूरी होने की उम्मीद है, जिससे शहरवासियों को बेहतर और सुविधाजनक परिवहन सेवाएं मिल सकेंगी।

-सुरेंद्र सिवाच, वर्कशाप मैनेजर, रोडवेज डिपो

नेतृत्व केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने का काम : सरला हुड्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

न्यू विद्या भारती पब्लिक स्कूल, धामड़ में पदग्रहण समारोह का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विभिन्न हाउसों के हाउस इंचार्ज, वाइस इंचार्ज, हाउस कैप्टन एवं वाइस कैप्टन का चयन कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी गईं। समारोह स्कूल प्राचार्या सरला हुड्डा एवं निदेशक वीरेन्द्र हुड्डा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद चयनित विद्यार्थियों को अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही सभी पदाधिकारियों को बैच पहनाकर सम्मानित किया गया। प्राचार्या सरला हुड्डा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने का नाम है। इसे अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ निभाना चाहिए। विद्यालय निदेशक वीरेन्द्र हुड्डा ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने व्यवहार, मेहनत और कार्यशैली से विद्यालय की गरिमा को बढ़ाएं तथा अन्य विद्यार्थियों के लिए आदर्श बनें। समारोह के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

लेबर-डे पर द आर्यन स्कूल में दर्शाई कर्मियों की विद्यालय को स्वच्छ रखने की भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में लेबर डे भावनात्मक माहौल के साथ मनाया गया। बच्चों ने स्किट, नाटक, गीत और लघु प्रस्तुतियों के माध्यम से कर्मचारियों के दैनिक कार्यों, मेहनत और विद्यालय में उनके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाया। विद्यार्थियों ने बताया कि हर कर्मचारी का परिश्रम विद्यालय को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान सहयोगी कर्मचारियों के मनोरंजन के लिए कई रोचक गतिविधियां और खेलों का आयोजन किया गया। सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे विद्यालय परिसर में खुशी और अपनत्व का माहौल बना रहा। विशेष पहल के तहत विद्यार्थियों ने एक दिन के लिए कर्मचारियों की जिम्मेदारियों को समझने का प्रयास किया। बच्चों ने चाय वितरित की, सफाई व्यवस्था में सहयोग किया।

बोहर में सिलाई सेंटर शुरू, महिलाओं को मिलेगा स्वरोजगार का अवसर

रोहतक। बोहर गांव में वार्ड-10 पार्षद मनीषा नांदल द्वारा सिलाई सेंटर का विधिवत शुभारंभ हवन-पूजन कर किया गया, जिसमें क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने भाग लेकर आहुति दी। इस दौरान पीएनबी बैंक की तरफ से मुख्य प्रबंधक अपर्णा सिंह, मंडल प्रमुख आरजू प्रवीण व हिंद फाउंडेशन से सुनील कुमार मौजूद रहे। पार्षद ने कहा कि इस सिलाई सेंटर का उद्देश्य क्षेत्र की महिलाओं, विशेषकर मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है। यहां महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे अपने कौशल को निखारकर स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद महिलाएं घर बैठे भी काम कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं। सेंटर में जल्द ही प्रशिक्षण शुरू होगा, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं हिस्सा लेंगी। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

शीतल स्पोर्ट्स सी.से. स्कूल में हुई हिंदी कैलीग्राफी प्रतियोगिता, विधि रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

■ जूनियर वर्ग में खुशबू ने प्रथम, स्नेहा ने द्वितीय और कार्तिक ने तृतीय स्थान किया हासिल

शीतल स्पोर्ट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, किलोई में विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने तथा सुंदर लेखन कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी कैलीग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी उत्कृष्ट लेखन शैली, सृजनात्मकता और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन जूनियर एवं सीनियर दो वर्गों में किया गया। सीनियर वर्ग में विधि ने प्रथम, अंशु ने द्वितीय तथा पूर्वी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर वर्ग में खुशबू ने प्रथम, स्नेहा ने द्वितीय और कार्तिक ने तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल हुड्डा एवं निर्देशिका राजवंती हुड्डा ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और इसका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सुलेख प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में भाषा कौशल, एकाग्रता, अनुशासन और सौंदर्यबोध विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समस्त अध्यापकों का विशेष सहयोग रहा।

झींगा पालन से गांव बहु अकबरपुर निवासी मीनाक्षी बनी आत्मनिर्भर

■ वर्ष 2022 में तीन एकड़ से की थी झींगा पालन की शुरुआत

रोहतक। गांव बहु अकबरपुर निवासी मीनाक्षी पत्नी यशपाल झींगा पालन से लगभग 8 लाख रुपये प्रति एकड़ की आमदनी प्राप्त कर रही है। मत्स्य पालन विभाग से प्रशिक्षण लेकर 2022 में 3 एकड़ भूमि से झींगा पालन करने वाली मीनाक्षी आज 7 एकड़ में झींगा पालन कर लाखों रुपये की आय प्राप्त कर रही है। अब वे अपने पति के साथ मिलकर झींगा पालन को आगे बढ़ा रही है। मीनाक्षी ने बताया कि सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया हैं। इस महिला किसान ने केंद्र सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की मिशाल पेश की है। मीनाक्षी ने वर्ष 2023 में 2 एकड़ और भूमि में झींगा पालन शुरू किया तथा अब उन्होंने व्यवसाय को बढ़ाकर 5 एकड़ तक कर दिया। इस वर्ष लगभग 15 टन झींगा का उत्पादन हुआ तथा बाजार में अच्छे दाम प्राप्त हुए। इसके फलस्वरूप मीनाक्षी को लगभग 8 लाख रुपये प्रति एकड़ बचत हुई। इसके बाद उन्होंने 2025 में झींगा पालन के कार्य को बढ़ाकर 7 एकड़ में कर दिया।

न्यूज डायरी

पठानिया पब्लिक स्कूल में शिक्षा के भविष्य पर मंथन

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल एवं ब्रिटानिका एजुकेशन की संयुक्त पहल से शुक्रवार को "द लीडर्स कट—कन्वर्सेशन्स दैट ब्रिंग द रियल शिफ्ट" विषय पर आमंत्रण आधारित राउंडटेबल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन पठानिया पब्लिक स्कूल परिसर में हुआ। इस विशेष सत्र में विभिन्न शहरों के प्रतिष्ठित विद्यालयों के चयनित प्रमुखों ने भाग लेकर शिक्षा के बदलते स्वरूप, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विचार साझा किए। चर्चा में श्रीराम यूनिवर्सल स्कूल से आरती ओहल्याण, होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल से अनिरूद्ध सचदेवा, जेपी इंटरनेशनल से गौरव मलिक, मॉडल स्कूल से अरुणा तनेजा, किंग्स कॉलेज से हेलेन कैरोलीन बॉविन सहित कई शिक्षाविद शामिल रहे।

एथर एनर्जी के नए शोरूम 'एलवर मोटर्स' का शुभारंभ

रोहतक। शहर के देवी लाल पार्क के सामने एथर एनर्जी के अधिकृत नए शोरूम 'एलवर मोटर्स' का भव्य शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मनीष ग्रोवर उपस्थित रहे। इस अवसर पर शोरूम में कंपनी के प्रमुख विद्युत स्कूटर मॉडल 'रिज्टा' और 'चार सौ पचास' ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराए गए। ये दोनों मॉडल आधुनिक तकनीक, आकर्षक डिजाइन और बेहतर प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। साथ ही ये पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ईंधन खर्च में भी बचत प्रदान करते हैं। मुख्य अतिथि मनीष ग्रोवर ने कहा कि विद्युत वाहनों की ओर बढ़ता कदम समय की आवश्यकता है। इससे प्रदूषण कम होगा और आने वाले समय में लोगों को सस्ता तथा सुविधाजनक परिवहन विकल्प मिलेगा।

प्रेस समाज में पारदर्शिता, जवाबदेही में निभाती है भूमिका : तेवतिया

रोहतक। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सभागार में शनिवार को जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी लोकतांत्रिक भूमिका पर मंथन हुआ। यह कार्यक्रम जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन अजय कुमार तेवतिया तथा सचिव एवं सीजेएम विशाल कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। सेमिनार का उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व, लोकतंत्र में उसकी भूमिका और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। वक्ताओं ने निष्पक्ष, जिम्मेदार और जवाबदेह पत्रकारिता को समाज के लिए अनिवार्य बताते हुए कहा कि स्वतंत्र मीडिया शासन और जनता के बीच मजबूत सेतु का कार्य करता है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सीजेएम राकेश कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सजीव सैनी को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सीजेएम राकेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है और समाज में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा न्याय सुनिश्चित करने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आर्य स्कूल मदीना में मनाया मदर-डे, बच्चों ने बनाए रंग बिरंगे चार्ट

महम। आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना में मातृ दिवस मनाया गया। इस दौरान बच्चों के लिए एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान तथा कृतज्ञता को विविध कलात्मक रूपों में अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने रंग-बिरंगे चार्ट तैयार किए। जिनमें मातृत्व की महिमा और मां के प्रति अपनी भावनाओं को चित्रों व शब्दों के माध्यम से सजीव किया। कई विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के लिए हृदयस्पर्शी कविताएं और रचनाएं लिखीं। जिनमें मां के त्याग, स्नेह और निस्वार्थ प्रेम का चित्रण था। इसके अतिरिक्त बच्चों ने अपनी मदर के लिए आकर्षक फोटो फ्रेम्स बनाए और पत्र लिखकर अपने विचारों को स्नेहिल शब्दों में व्यक्त किया। प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि "मां धरती पर प्रत्यक्ष देवी का रूप होती है। मां की सेवा से बढ़कर और कोई सेवा नहीं होती। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि मां का स्थान जीवन में सर्वोपरि है। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए एक सांस्कृतिक अनुभव रहा, बल्कि उन्हें अपनी माताओं के प्रति कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने का अवसर भी प्रदान किया।

महम। प्रतियोगिता के दौरान पेंटिंग बनाते आर्य स्कूल मदीना के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। विद्यार्थियों को संबोधित करती प्रो. दीप्ति हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

एमडीयू गर्ल्स हॉस्टल में शैक्षणिक कल्याण पर व्याख्यान

रोहतक। छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हुए उनकी पढ़ाई में प्रदर्शन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अभिलाषा गर्ल्स हॉस्टल कॉम्प्लेक्स के सभी छात्रावासों में मानसिक एवं शैक्षणिक कल्याण विषय पर प्रभावी व्याख्यानमाला आयोजित की गई। मनोविज्ञान विभाग के प्राध्यापकों ने अलग-अलग छात्रावासों में जाकर छात्राओं से सीधा संवाद किया। प्रो. शालिनी सिंह ने मेघना व यमुना, प्रो. अंजलि मलिक ने साबरमती व नर्मदा, प्रो. दीप्ति हुड्डा ने भागीरथी व कृष्णा, प्रो. सर्वदीप कोहली ने सरस्वती व गोदावरी तथा डॉ. शशि रश्मि ने गंगा व कावेरी छात्रावास में व्याख्यान दिए। विशेषज्ञों ने छात्राओं को परीक्षा के दबाव से निपटने, मानसिक तनाव कम करने, सकारात्मक सोच विकसित करने, समय का सही प्रबंधन करने और पढ़ाई के प्रभावी तरीकों पर व्यवहारिक मार्गदर्शन दिया। संवादात्मक सत्र में छात्राओं ने खुलकर सवाल पूछे और अपनी समस्याएं साझा कीं। चीफ वार्डन प्रो. सपना गर्ग व डिप्टी चीफ वार्डन प्रो. प्रतिमा रंगा ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में मानसिक स्वास्थ्य उतना ही जरूरी है जितना शैक्षणिक ज्ञान। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को संतुलित व सफल जीवन की दिशा देते हैं। कार्यक्रम में हॉस्टल वार्डन संतोष हुड्डा, राजबाला सांगवान, डॉ. सुनीता मल्हान, सुनीता इशपुनियानी, सुचेता, डॉ. नेहा खुराना, डॉ. बबीता खोसला व डॉ. प्रियंका यादव सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

अधेड़ की मौत के 20 दिन बाद मुकदमा दर्ज

11 अप्रैल को हादसे में हुई थी कृष्ण कुमार की मौत

प्रवीन कुमार ▶▶ सांपला

क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में गांव अटायल निवासी 55 वर्षीय कृष्ण कुमार की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 11 अप्रैल को यह हादसा उस समय हुआ, जब कृष्ण कुमार अपनी मोटरसाइकिल पर नया बांस से गिझी गांव की ओर जा रहे थे। रास्ते में सामने से तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात वाहन को देखकर उन्होंने खुद को बचाने का प्रयास किया, लेकिन संतुलन बिगड़ने के कारण उनकी बाइक सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कृष्ण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद परिजन शोक में थे, जिसके चलते तत्काल शिकायत दर्ज नहीं कराई जा सकी। करीब 20 दिन बाद अब शनिवार को परिजनों ने थाना सांपला में शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया था। अब पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और फरार वाहन चालक की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्रवाई अनट्रेंड स्टाफ द्वारा किया जा रहा था मरीजों का ईलाज

डिग्री जीएनएम की, चला रहा था मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल

खरखौदा में सीएम फ्लाइंग का छापा, पुलिस ने झोलाछाप को केस दर्ज कर किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

खरखौदा। जांच करते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व सीएम फ्लाइंग टीम।

सांपला मार्ग स्थित एक निजी अस्पताल में मुख्यमंत्री उड़नदस्ता (सीएम फ्लाइंग) और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी करके बड़े स्तर पर अनियमितताओं को उजागर किया है। कार्रवाई के दौरान अस्पताल बिना वैध अनुमति और योग्य डॉक्टरों के संचालित पाया गया। शिकायत मिलने पर सीएम फ्लाइंग से इंस्पेक्टर राजेश कुमार, सब इंस्पेक्टर जितेंद्र और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से अस्पताल पर दबिश दी। जांच में सामने आया कि अस्पताल का संचालन गांव पाई निवासी अनिल द्वारा किया जा रहा था, जिसने केवल 12वीं के बाद जीएनएम (नर्सिंग) का कोर्स किया हुआ है। उसके पास अस्पताल संचालन के लिए न तो कोई मान्यता प्राप्त डिग्री थी और न ही कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत किया गया। छापेमारी के दौरान टीम को एक महिला मरीज सांस संबंधी बीमारी के चलते भर्ती पाई गई। मौके पर कोई योग्य डॉक्टर मौजूद नहीं था और मरीजों का इलाज पूरी तरह अनट्रेंड स्टाफ द्वारा किया जा रहा था। टीम को अस्पताल में पांच अन्य कर्मचारी भी मिले, जिनके पास किसी प्रकार की मेडिकल योग्यता नहीं पाई गई। इसके अलावा अस्पताल परिसर में बिना अनुमति एक लैब संचालित की जा रही थी, जहां विभिन्न प्रकार की जांच की जा रही थीं। कार्रवाई के दौरान ड्रग इंस्पेक्टर मुंशीराम भी मौके पर पहुंचे। जांच में अस्पताल परिसर में संचालित मेडिकल स्टोर को भी नियमों के विरुद्ध पाया गया। टीम द्वारा मौके से संबंधित दस्तावेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी अनिल को हिरासत में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

7 पदकों के साथ रोहतक सातवें स्थान पर, 4 स्वर्ण, 2 रजत व एक कांस्य जीता

8वीं हरियाणा राज्य सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप

19 पदक जीत भिवानी बना चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जींद के नवदीप स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय 8वीं हरियाणा राज्य सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का शानदार समापन हो गया है। इस प्रतियोगिता में भिवानी के एथलीटों ने अपने बेहतरीन खेल कौशल के दम पर कुल 19 पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। वहीं, सोनीपत 14 पदकों के साथ दूसरे और मेजबान जींद 13 पदक जीतकर तीसरे स्थान पर रहा। रोहतक ने 4 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य कुल 7 पदक के साथ सातवां स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता करण प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। स्टेडियम पहुँचने पर एथलेटिक्स हरियाणा के पदाधिकारियों ने ढोल की थापों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया और उन्हें शंख भेंट कर सम्मानित किया। करण प्रताप सिंह ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर आशीर्वाद दिया और कहा कि हरियाणा के युवाओं में खेल प्रतिभा कूट-कूट कर भरी है।

फरीदाबाद के खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि इस दो दिवसीय चैंपियनशिप में प्रदेश के सभी जिलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। उन्होंने बताया कि नवदीप स्टेडियम में एथलीटों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहां हर किसी ने अपने जिले को गौरवान्वित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने बताया कि भिवानी ने 5 स्वर्ण, 6 रजत और 8 कांस्य (कुल 19 पदक) जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सोनीपत के एथलीटों ने 6 स्वर्ण, 7 रजत और 1 कांस्य (कुल 14 पदक) के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, वहीं जींद ने 5 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य (कुल 13 पदक) जीतकर तीसरा स्थान पाया। हिसार जिला 3 स्वर्ण और 10 कांस्य (कुल 13 पदक) लेकर चौथे, जबकि फतेहाबाद 4 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य (कुल 9 पदक) के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

इसी तरह झज्जर ने 3 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य (कुल 9 पदक) के साथ छठा, रोहतक ने 4 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य (कुल 7 पदक) के साथ सातवां और चरखी दादरी ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य (कुल 6 पदक) जीतकर आठवां स्थान प्राप्त किया। फरीदाबाद जिले ने 1 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य (कुल 5 पदक) के साथ नौवां स्थान हासिल किया, जबकि पानीपत की टीम 2 स्वर्ण और 2 रजत (कुल 4 पदक) जीतकर पदक तालिका में दसवें स्थान पर रही। सभी पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन की सराहना की।

लहराया परचम

सोनीपत 14 पदकों के साथ दूसरे और मेजबान जींद 13 पदक लेकर तीसरे स्थान पर रहा

झज्जर ने 3 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य सहित 9 पदक जीते

रोहतक में आज होगा साई प्रीमियर लीग का फाइनल महामुकाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिवाल्या ग्रुप द्वारा प्रायोजित और शहर की चर्चित साई प्रीमियर लीग (एसपीएल) अब अपने निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है। लीग का फाइनल मुकाबला रविवार को शाम 4:00 बजे 22 याड्र्स पर खेला जाएगा। गौरतलब है कि इस पूरी प्रतियोगिता का आयोजन विश्व प्रसिद्ध आईपीएल की तर्ज पर 'फ्रेंचाइजी सिस्टम' के आधार पर किया गया था। रोहतक के इतिहास में इस तरह की अनूठी पहल ने न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि पूरे हरियाणा के क्रिकेट जगत में खासी चर्चा बटोरी है। लीग की सफलता के पीछे डॉ. संदीप भुक्कर के विशेष प्रयासों और उनकी दूरदर्शिता की हर तरफ सराहना हो रही है। खेल जगत के जानकारों का मानना है कि डॉ. भुक्कर की मेहनत के कारण ही रोहतक के खिलाड़ियों और प्रशंसकों को इतने भव्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने और खेल का आनंद लेने का मौका मिला है। स्थानीय प्रशंसकों और खेल विशेषज्ञों के अनुसार एसपीएल का यह सफल आयोजन रोहतक में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे और युवा प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है।

नशा मुक्त समाज ही सशक्त भविष्य की नींव : डॉ. कमलेश

■ कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में निबंध लेखन प्रतियोगिता करवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इनर व्हील क्लब द्वारा गांधी कैंप स्थित कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नशा मुक्ति विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम क्लब की प्रेसिडेंट डॉ. कमलेश मलिक के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करना रहा।

डॉ. कमलेश मलिक ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर अभिशाप बन चुका है और विशेष रूप से युवा पीढ़ी को प्रभावित कर रहा है। कई बार बच्चे जिज्ञासा या गलत संगत के कारण नशे की ओर बढ़ जाते हैं, इसलिए अभिभावकों और समाज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। नशा केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक, सामाजिक और मानसिक स्थिति को प्रभावित करता है। नशा मुक्त समाज के लिए जागरूकता और शिक्षा सबसे जरूरी है। बच्चे देश का भविष्य हैं, यदि वे सही दिशा में आगे बढ़ेंगे तो समाज स्वत सशक्त बनेगा। प्रो. सोनिया मलिक ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्लब ने 15 जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की तथा सभी बच्चों को केले, समोसे और फ्रूटी का अल्पाहार दिया। कार्यक्रम में अंजू जैन, संगीता अरोड़ा व स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

महर्षि दयानंद विवि के जेनेटिक्स विभाग में सीनियर्स को दी विदाई

कनिका को मिस फेयरवेल, सुमित को मिस्टर फेयरवेल, अनीशा को मिस पर्सनैलिटी और आरती की ड्रेस सबसे बेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के जेनेटिक्स विभाग में पासआउट हो रहे विद्यार्थियों के लिए भव्य व रंगारंग विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीन प्रो. मीनाक्षी वशिष्ठ, विभागाध्यक्ष प्रो. एस.के. तिवारी, प्रो. ऋतु यादव, प्रो. नीलम सहरावत व डॉ. मुकेश तंवर की विशेष उपस्थिति रही।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि सफलता के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण जरूरी है। उन्होंने छात्रों को जीवन में आगे बढ़ते हुए संस्थान का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभा और व्यक्तित्व के आधार पर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कनिका को मिस फेयरवेल, सुमित को मिस्टर फेयरवेल, अनीशा को मिस पर्सनैलिटी और आरती को बेस्ट ड्रेस चुना गया। समारोह में विद्यार्थियों ने गीत-संगीत, नृत्य, गेम्स और अन्य मनोरंजक प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत बना दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और भावनाओं का अनोखा संगम देखने को मिला।

रोहतक। विदाई समारोह के बाद मौजूद विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

जगजीत सिंह ने 115 जरूरतमंदों को वितरित की राशन सामग्री

■ प्रत्येक परिवार को 2-2 किलो चावल, दाल, चीनी और तेल वितरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए समाजसेवी जगजीत सिंह ने हर वर्ष की भांति इस साल भी 115 जरूरतमंद परिवारों की सहायता की। उन्होंने प्रत्येक परिवार को 2-2 किलो चावल, दाल, चीनी और तेल वितरित किया।

इस अवसर पर हेमचन्द राणा, अनिल सिंधु, शिव पीपली, प्रकाश अदनानी, सतबीर राजा, राजने पहलवान, अशोक नैन, अजमेर नरवाल, रविराज राणा और विजेन्द्र कंधोला सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। जगजीत सिंह ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करने से मन को शांति मिलती है। सभी ने उनके इस मानवीय कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि समर्थ लोगों को जरूरतमंदों की सेवा करनी चाहिए।

रोहतक। जरूरतमंदों को राशन सामग्री वितरित करते जगजीत सिंह।

बेनीस फाउंडेशन ने 70 जरूरतमंद छात्रों को बांटी शैक्षणिक सामग्री

रोहतक। समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय कदम उठाते हुए बेनीस फाउंडेशन ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 70 पिता-विहीन व आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की। फाउंडेशन के चेयरमैन सीए सज्जन बेनीवाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को किताबें, कॉपियां व अन्य जरूरी स्टेशनरी दी गई, जिससे वे बिना आर्थिक दबाव के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। इस पहल के तहत उन बच्चों को चुना गया, जिनके पिता का निधन हो चुका है और जो संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। फाउंडेशन की टीम मोनिका, स्वीटी, अंकिता, मानसी, नेहा और सोमबीर ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। चेयरमैन सज्जन बेनीवाल ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के भविष्य को संवारने का सबसे मजबूत माध्यम है। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से भी अपील की कि वे आगे आकर जरूरतमंद बच्चों की मदद करें।

लाल नाथ हिन्दू कॉलेज को अस्थायी 'री यूज सेंटर' में बदला, किताबें-कपड़े किए जमा

रोहतक। स्वच्छता अब सिर्फ झाड़ू तक सीमित नहीं, बल्कि सोच बदलने का अभियान बन चुकी है। इसी दिशा में जिला प्रशासन ने शनिवार को 'रि-शेयर रोहतक' अभियान की शुरुआत लाल नाथ हिन्दू कॉलेज से करते हुए संसाधनों के पुनः उपयोग की एक नई इबारत लिख दी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य 'रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकिल' (आरआरआर) को जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि बेकार पड़ी वस्तुएं किसी जरूरतमंद के काम आ सकें। कार्यक्रम का आयोजन यूथ रेड क्रॉस यूनिट, कॉलेज प्रशासन और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से हुआ, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कॉलेज परिसर को अस्थायी 'री-यूज सेंटर' में बदल दिया गया, जहां छात्रों ने बड़ी मात्रा में पुराने कपड़े, किताबें, स्कूल बैग और घरेलू सामान जमा किए। खास बात यह रही कि इन वस्तुओं का मौके पर ही वर्गीकरण और गुणवत्ता जांच कर जरूरतमंदों तक सम्मानपूर्वक पहुंचाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई। कार्यक्रम में उपायुक्त सचिन गुप्ता ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि घरों में पड़ी अनुपयोगी वस्तुएं किसी के लिए नई उम्मीद बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि 'रि-शेयर रोहतक' का मकसद वेस्ट को रिसोर्स में बदलना है और इसे हर व्यक्ति की जीवनशैली का हिस्सा बनाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को जल्द ही जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

राज्यपाल के दौरे को लेकर धारा 163 लगाई

रोहतक। जिला प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा कदम उठाते हुए पूरे रोहतक में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 लागू कर दी है। जिलाधीश सचिन गुप्ता द्वारा जारी ये आदेश प्रदेश के राज्यपाल अशीम कुमार घोष के 3 से 4 मई तक प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए लागू किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए साइबर कैफे, पीजी, गेस्ट हाउस, होटल संचालकों के साथ-साथ मकान मालिकों को अपने यहां ठहरने वाले हर व्यक्ति का पूरा रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा। इसके तहत आगंतुकों, किरायेदारों और कर्मचारियों के पहचान पत्र की फोटो कॉपी भी सुरक्षित रखनी होगी।

सूचना

मैं, मनीम पुत्र श्री महेन्द्र सिंह निवासी गांव रिठाल फौगाट, रोहतक, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा गन लाईसेंस नंबर 211/DMR/ARMS दिनांक 07.01.2017 दिनांक 22.04.2026 को गुम हो गया है। अगर यह आरिजनल मिलता है तो मैं उसका बयान हर जगह करूंगा।

11वीं सालाना कला प्रदर्शनी की तैयारियां पूरी

सुपवा की अभिव्यंजना में होगा 2000 से अधिक कलाकृतियों का दीदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में वार्षिक कला प्रदर्शनी की शुरुआत आज (रविवार) से हो रही है। यूनिवर्सिटी कैंपस स्थित फैकल्टी ऑफ डिजाइन की बिल्डिंग में लग रही इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश के राज्यपाल व यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रोफेसर असीम कुमार घोष करेंगे। कला प्रदर्शनी 'अभिव्यंजना' को लेकर शनिवार को छात्र व फैकल्टी सदस्य तैयारियों को अंतिम रूप देते दिखाई दिए। इस प्रदर्शनी में कला प्रेमियों को एक साथ 2 हजार से अधिक कलाकृतियों को देखने का मौका मिलेगा। बता दें कि यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स द्वारा हर साल कला प्रदर्शनी आयोजित की जाती है, जिसमें इस डिपार्टमेंट के छात्रों की तरफ से साल भर तैयार की गई अपनी कृतियों को प्रदर्शित करने का मौका मिलता है। इस साल इस वार्षिक प्रदर्शनी के 11वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। इसमें फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के अंदर आने वाले पांच अलग-अलग विभागों के छात्र अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन करेंगे। फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के कोऑर्डिनेटर विनय कुमार ने बताया कि इस प्रदर्शन में एप्लाइड आर्ट, एनीमेशन, पेंटिंग, स्कल्पचर (मूर्तिकला) व प्रिंट मेकिंग का समन्वय देखने को मिलेगा।

आगंतुकों को मिलेगी मनोरंजन की डोज

अंडर ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन के फर्स्ट ईयर, सेकंड ईयर व फाइनल ईयर में पढ़ने वाले छात्रों की करीब 2000 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मिनोचा ने बताया कि कला प्रदर्शनी के दौरान आगंतुकों को मनोरंजन की भी डोज मिलेगी। 5 मई से प्रदर्शनी सभी लोगों के लिए खोल दी जाएगी और यह 8 मई तक जारी रहेगी।

दूसरे दीक्षांत समारोह में 760 विद्यार्थियों को दी जाएगी डिग्रियां

डीएलसीसुपवा के दूसरे दीक्षांत समारोह की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। शनिवार को यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ अमित आर्य व एडिशनल एसपी आयुष यादव ने सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। समारोह में ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट हुए 760 छात्रों को डिग्री दी जाएगी। डीएलसीसुपवा में 4 मई को दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित होने जा रहा है।

ੴ

ਜੇਹਾ ਚੀਰੀ ਲਿਖਿਆ ਤੇਹਾ ਹੁਕਮੁ ਕਮਾਹਿ ॥
ਘਲੇ ਆਵਹਿ ਨਾਨਕਾ ਸਦੇ ਉਠੀ ਜਾਹਿ ॥੧॥

With profound grief & sorrow, we inform the sad demise of our beloved

Sardar Avtar Singh Kochar (Dolly)

S/O Late Sardar Charan Singh Kochar & Late Sardarni Surinder Kaur Kochar

For the peace of the departed soul

Bhog & Antim Ardas

will be held at

Gurudwara Bangla Sahib Rohtak, Haryana

Followed by Guru Ka Langar

Sunday, 3rd May, 2026 | 11:30 AM – 1:00 PM

Wife
Sdn Inderjit Kaur Kochar

Son & Daughter-in-law
Sd Gagandeep Singh Kochar
(+91 98737 54945)
Sdn Ravleen Kaur Kochar

Daughter & Son-in-law
Sdn Gunjan Kaur Dhingra
Sd Angad Singh Dhingra

Brothers
Sd Amarjit Singh Kochar
Sd Hari Singh Kochar
Sd Joginder Singh Kochar

Sister
Sdn Gurbachan Kaur Kathuria

Grandchildren

खतरों में घिरा बचपन : ओवरलोड ऑटो व हिचकोले देती सड़क ने बढ़ाई टेंशन

सुखपुरा चौक से बस स्टैंड तक हर दिन दांव पर बच्चों की जान

न सड़क सुरक्षित, न नियमों का पालन, सुरक्षा पर लापरवाही, जिम्मेदार कौन?

ऑटो में ठूंसकर ले जाए जा रहे स्कूली बच्चे, तेज रफ्तार वाहनों के बीच हर पल हादसे का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरिभूमि सरोकार

शहर के सुखपुरा चौक से लेकर बस स्टैंड तक का मार्ग इन दिनों नौनिहालों के लिए खतरे की पटरी बन चुका है। सुबह-शाम स्कूल टाइम के दौरान यहां का दृश्य किसी चेतावनी से कम नहीं ओवरलोड ऑटो, तेज रफ्तार वाहन और अव्यवस्थित ट्रैफिक के बीच छोटे-छोटे बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। यह रास्ता न सिर्फ ट्रैफिक के दबाव के कारण खतरनाक बना हुआ है, बल्कि यहां बुनियादी सड़क सुरक्षा के इंतजामों का भी अभाव साफ नजर आता है। न कोई स्पष्ट जेब्रा क्रॉसिंग, न स्पीड कंट्रोल के प्रभावी उपाय और न ही ट्रैफिक नियमों का पालन ऐसे में बच्चों की सुरक्षा भगवान भरोसे है।

एक ऑटो में 10 से 12 बच्चे

सबसे चिंताजनक तस्वीर ऑटो में सफर करते बच्चों की है। एक छोटे से ऑटो में 10-12 बच्चों को ठूंसकर ले जाया जा रहा है। कई बच्चे आधे बाहर लटकते हुए नजर आते हैं, तो कुछ सीट के किनारों पर मुश्किल से टिके होते हैं। ना कोई सीट बेल्ट, ना कोई सुरक्षा इंतजाम ऐसे में जरा सी चूक बड़ा हादसा बन सकती है। अभिभावकों की मजबूरी और सस्ती सवारी के चलते ये खतरनाक सफर रोज जारी है।

सड़क टूटने से दिक्कत

सुखपुरा चौक से बस स्टैंड तक का मार्ग रोड टूटा पड़ा है और व्यस्ततम सड़कों में से एक है। यहां दिनभर भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। स्कूल टाइम में हालात और भी खराब हो जाते हैं। तेज रफ्तार बाइक, कारें और बसें बच्चों के बेहद करीब से गुजरती हैं। कई बार तो बच्चों को सड़क पार करने के लिए दौड़ लगानी पड़ती है।

नियमों की अनदेखी

- ओवरलोड ऑटो, बिना फिटनेस के वाहन, बिना लाइसेंस ड्राइवर ये सब इस मार्ग पर आम दृश्य
- ट्रैफिक नियम सिर्फ कागजों में नजर आते हैं। जमीनी स्तर पर उनका पालन कहीं नजर नहीं आता

न स्पीड ब्रेकर, न ट्रैफिक कंट्रोल

इस पूरे मार्ग पर स्पीड कंट्रोल के प्रभावी इंतजाम नहीं हैं। जहां स्पीड ब्रेकर हैं भी, वे या तो टूटे हुए हैं या फिर इतने छोटे हैं कि वाहन चालक उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी भी नाम मात्र की है। ऐसे में वाहन चालक बेखौफ होकर नियमों की अनदेखी करते हैं।

अभिभावकों में डर, फिर भी मजबूरी

बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक भी चिंतित हैं, लेकिन उनके पास कोई विकल्प नहीं है। कई माता-पिता का कहना है कि वे जानते हैं कि ऑटो में इस तरह सफर करना खतरनाक है, लेकिन निजी वाहन या सुरक्षित परिवहन की सुविधा हर किसी के पास नहीं है।

ये कदम उठाने जरूरी

- स्कूल टाइम में ट्रैफिक पुलिस की तैनाती हो
- ओवरलोड ऑटो पर सख्त कार्रवाई की जाए
- स्पीड लिमिट लागू कर उसका पालन सुनिश्चित किया जाए
- जेब्रा क्रॉसिंग और स्पीड ब्रेकर को दुरुस्त किया जाए
- स्कूलों को सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएं

स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी भी जरूरी

इस मुद्दे पर स्कूल प्रबंधन की भूमिका भी अहम है। क्या बच्चों के सुरक्षित आवागमन के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जा रहे हैं, कई स्कूलों के बाहर न तो ट्रैफिक को नियंत्रित करने की व्यवस्था है और न ही बच्चों को सुरक्षित तरीके से सड़क पार कराने की कोई ठोस योजना।

कब जागेगा सिस्टम

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस गंभीर समस्या पर जिम्मेदार कब ध्यान देंगे, क्या किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है। हर दिन सैकड़ों बच्चे इस रास्ते से गुजरते हैं और हर दिन उनका सफर खतरे से भरा होता है।

मेरा शहर मेरी समस्या — हरिभूमि पहल
बसंत विहार, डीएलएफ, कबीर और हाउसिंग बोर्ड कालोनी

सड़कों और गलियों में बह रहा गंदा पानी

सीवर ओवरफ्लो से शहरवासी परेशान समाधान के बाद फिर लौट आती समस्या

कई इलाकों में हालात खराब स्थायी समाधान की मांग तेज बार-बार शिकायत करने के बाद भी नहीं हो रहा समस्या का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के कई क्षेत्रों में सीवर ओवरफ्लो की समस्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है। बसंत विहार, डीएलएफ कॉलोनी, कबीर कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड समेत अन्य इलाकों में आए दिन गलियों और सड़कों पर सीवर का गंदा पानी बहता नजर आता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायत करने पर विभाग की टीम पहुंचकर सफाई कर देती है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। ऐसे में लोगों को बदबू, गंदगी और बीमारियों के खतरे के बीच जीवन यापन करना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि जब तक सीवर लाइन की पूरी तरह जांच कर स्थायी समाधान नहीं किया जाएगा, तब तक यह समस्या खत्म नहीं होगी। कई स्थानों पर गलियां इतनी संकरी हैं कि वहां सकर मशीन या बड़े वाहन पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे में कर्मचारियों को हाथों से सफाई करनी पड़ती है या फिर समस्या लंबे समय तक बनी रहती है। जिन क्षेत्रों में बार-बार सीवर जाम की समस्या आती है, वहां हर सप्ताह सफाई कराई जानी चाहिए। इससे ओवरफ्लो की समस्या कम हो सकती है और लोगों को राहत मिलेगी। लोगों ने जनस्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि शहर के पुराने सीवर सिस्टम का सर्वे कराया जाए, जहां जरूरत हो वहां नई लाइन डाली जाए और तंग गलियों के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। जब तक स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक शहरवासी इसी परेशानी से जूझते रहेंगे।

10-15 दिन में जाम हो जाता सीवर

उनके क्षेत्र में हर 10-15 दिन में सीवर जाम हो जाता है। शिकायत करने पर कर्मचारी आते हैं और अस्थायी सफाई कर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि लाइन की गहराई से जांच कर मरम्मत कराई जाए तो राहत मिल सकती है। -मुकेश

घरों के बाहर खड़ा होना मुश्किल

सीवर ओवरफ्लो के कारण घरों के बाहर खड़ा होना मुश्किल हो जाता है। गंदे पानी से मच्छर पनपते हैं और बच्चों को बीमारियों का डर बना रहता है। उन्होंने मांग की कि निगम टीम नियमित सफाई अभियान चलाए। -मनीष

तंग गलियों में नहीं पहुंचती मशीनें

उनकी गली इतनी संकरी है कि मशीन अंदर नहीं जा पाती। कई बार कर्मचारी भी समय पर नहीं आते, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों के लिए अलग से छोटी मशीनें या नियमित सफाई कर्मचारी लगाए जाएं। -संदीप

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

विद्यार्थियों की पहल को मिलेगा मंच

राजेश जैन करेंगे सामूहिक वेबसाइट व वीडियो का उद्घाटन

रोहतक। स्थानीय हिसार बाईपास रोड स्थित बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर में रविवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा निर्मित सामाजिक संस्थाओं की सामूहिक वीडियो और वेबसाइट का उद्घाटन किया जाएगा। कार्यक्रम सायं 4:30 बजे आयोजित होगा और इसमें राजेश जैन मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। एमटीएफसी संस्था के प्रधान नरेश ढल ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों की सामाजिक सोच और उनके सेवा कार्यों को एक साझा मंच प्रदान करना है। नई वेबसाइट के माध्यम से लोग एक ही जगह पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की गतिविधियों को देख सकेंगे और जरूरत पड़ने पर अपना सहयोग भी दे सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान राजेश जैन द्वारा वेबसाइट का औपचारिक उद्घाटन किया जाएगा। इसके साथ ही उनके संरक्षण में संचालित बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर और एमटीएफसी कन्हैली रोड (मुख्यालय) के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम भी घोषित किया जाएगा। कार्यक्रम में सफल विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

इंडस पब्लिक स्कूल में स्वर्गीय माता परमेश्वरी देवी के जन्मदिवस व 'श्रम दिवस' पर कार्यक्रम

छात्रों ने विद्यालय में श्रमिकों के सम्मान में परोसा भोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में स्वर्गीय माता परमेश्वरी देवी के जन्मदिवस व श्रमिक दिवस के पावन अवसर पर सभी श्रमिक भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। यह दिन मेहनतकश लोगों के सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता का प्रतीक है, जो अपने परिश्रम से समाज और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। प्रधानाचार्य दीपक कुमार वशिष्ठ ने इस अवसर पर कहा कि श्रमिक किसी भी देश की रीढ़ होते हैं। उनके अथक प्रयासों से ही उद्योग, निर्माण कार्य, कृषि एवं विभिन्न सेवाएं सुचारु रूप से संचालित होती हैं। अतः यह आवश्यक है कि हम उनके अधिकारों की रक्षा करें, उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्य वातावरण प्रदान करें तथा उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करें।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने मिलकर विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की और सभी श्रमिकों के लिए मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यालय परिसर में छात्रों ने श्रमिकों को गिफ्ट के रूप में विशेष सम्मान दिया। साथ ही दोपहर के

भोजन की विशेष व्यवस्था की गई जिसमें छात्रों ने स्वयं भोजन परोसा। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने कहा कि श्रम का सम्मान करना ही सच्ची मानवता है। हमें न केवल श्रमिकों के योगदान को सराहना चाहिए, बल्कि उनके अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए भी सदैव तत्पर रहना चाहिए। विद्यार्थियों को भी श्रम के महत्व को समझते हुए हर कार्य के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भी श्रमिकों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता रखने का संदेश दिया गया। अंत में, सभी से अपील की गई कि वे श्रमिकों के योगदान को सराहें और उनके कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहें।

पुलिस की पहल : छात्राओं को नशा, साइबर अपराध व महिला सुरक्षा पर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित के निर्देशानुसार पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने सैनी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में छात्राओं को नशे, साइबर अपराध और महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक अमरसिंह कटारिया और सहायक उपनिरीक्षक मोहन ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि नशा व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक व आर्थिक रूप से कमजोर बनाता है और अपराधों को बढ़ावा देता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा छोड़ने के इच्छुक लोगों के लिए काउंसलिंग और नशामुक्ति केंद्रों की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही, नशा बेचने वालों की सूचना डायल 112 पर देने का आह्वान किया गया। साइबर अपराध से बचाव के लिए सोशल मीडिया व बैंक खातों की सुरक्षा पर भी जानकारी दी गई। किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई।

मिशन बुनियाद लेवल-3 का परिणाम : रोहतक से 118 विद्यार्थी पास हुए, कल होगी काउंसलिंग

विभाग ने 1,954 विद्यार्थियों को वेटिंग लिस्ट में रखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा शिक्षा विभाग ने प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों के लिए संचालित मिशन बुनियाद कार्यक्रम (सत्र 2026-28) के लेवल-3 परीक्षा के नतीजों की घोषणा कर दी है। इस परीक्षा के माध्यम से हरियाणा के सरकारी स्कूलों के हजारों विद्यार्थियों के भविष्य की नई राह खुली है। वैकल्पिक फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस बार कुल 4,215 विद्यार्थियों का चयन मुख्य सूची में हुआ है। विशेष बात यह है कि चयनित छात्रों में 2,168 लड़कियां और 2,047 लड़के शामिल हैं, जो महिला शिक्षा की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने 1,954 विद्यार्थियों को वेटिंग लिस्ट में भी रखा है। जिलों की बात करें तो हिसार से सर्वाधिक 432, गुरुग्राम से 351, जींद से 332 और रोहतक से 118 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है।

चयनित छात्रों में 2,168 लड़कियां और 2,047 लड़के शामिल
हिसार से सर्वाधिक 432, गुरुग्राम से 351 और जींद से 332 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की

निदेशालय ने परिणाम के साथ ही संशोधित काउंसलिंग शेड्यूल भी जारी कर दिया है, जो 1 मई से 4 मई 2026 तक चलेगा। 1 मई को महेंद्रगढ़, पंचकुला, पानीपत, सिरसा और रेवाड़ी में प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 2 मई को हिसार, झज्जर, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र और सोनीपत के केंद्रों पर काउंसलिंग आयोजित की जा चुकी है। 3 मई को फरीदाबाद, कैथल, नूंह और फतेहाबाद, जबकि अंतिम दिन 4 मई को रोहतक, अंबाला, भिवानी, चरखी दादरी, पलवल, यमुनानगर और गुरुग्राम के निर्धारित केंद्रों पर काउंसलिंग होगी।

सफल विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे पोर्टल https://registration.buniyaadhry. com/ से अपना काउंसलिंग एडमिट कार्ड तुरंत डाउनलोड कर लें। काउंसलिंग के समय विद्यार्थियों को स्वयं और माता-पिता का आधार कार्ड, 8वीं कक्षा की मार्कशीट और स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, परिवार पहचान पत्र और जाति प्रमाण पत्र, 4 पासपोर्ट साइज फोटो विभागीय आदेशानुसार आदि दस्तावेज साथ लेकर आने है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

किसानों की आय बढ़ाने को गांव-गांव जाकर केस स्टडी करेंगे विद्यार्थी

रोहतक। किसानों की आय बढ़ाने के लिए अब खेतों से सीधे ज्ञान जुटाने की पहल तेज हो गई है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कृषि विषय का अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को निर्देश दिए हैं कि वे गांव-स्तर पर केस स्टडी तैयार कर ऐसी कृषि पद्धतियों को सामने लाएं, जो किसानों की आमदनी बढ़ाने में कारगर साबित हो सकें। वे शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंटर्नशिप कर रहे विद्यार्थियों से संवाद कर रहे थे। उपायुक्त ने बताया कि विश्वविद्यालय के करीब दो दर्जन विद्यार्थी पिछले दो महीनों से समूहों में बंटकर जिले के विभिन्न गांवों में कृषि से जुड़ा अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक समूह अपने-अपने आवंटित गांव की सर्वोत्तम कृषि कार्य प्रणाली पर आधारित विस्तृत रिपोर्ट तैयार करे। डीसी ने कहा कि रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया जाए कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए कौन-कौन से व्यावहारिक उपाय अपनाए जा सकते हैं और फसल उत्पादन की लागत कैसे कम की जा सकती है। साथ ही भूमि के स्वास्थ्य और भूमिगत जल की गुणवत्ता का आकलन कर उसी के अनुरूप फसल चयन करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। उपायुक्त ने फसल विविधीकरण को समय की मांग बताते हुए विद्यार्थियों को इस दिशा में ठोस सुझाव देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी आगामी दो सप्ताह में अपने-अपने अध्ययन को पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि उसे नीतिगत स्तर पर भी उपयोग में लाया जा सके।

उपायुक्त ने किया मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब वैन का शुभारंभ

रोहतक, हिसार व सिरसा जिलों को उपलब्ध करवाई मोबाइल वैन

अब तालाब पर ही होगी पानी की जांच, आधे घंटे में मिलेगी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मत्स्य पालकों के लिए अब पानी की जांच किसी दूर की लैब का मामला नहीं रहा, बल्कि उनके अपने तालाब तक पहुंचने वाली सुविधा बन गया है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने शनिवार को मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब वैन का शुभारंभ करते हुए इसे लघु सचिवालय परिसर से गांवों के लिए रवाना किया। उन्होंने बताया कि मत्स्य पालन विभाग द्वारा किसानों की सुविधा के लिए तीन मोबाइल वैन खरीदी गई हैं, जिन्हें रोहतक, हिसार और सिरसा जिलों को उपलब्ध कराया गया है। इस पहल के तहत अब जल नमूनों की जांच सीधे तालाबों पर जाकर की जाएगी और मात्र आधे घंटे में रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी।लोकार्पण के पहले ही दिन वैन ने सुंदरपुर, घरौंठी, इंदरगढ़ और चांदी गांवों में पहुंचकर तालाबों के पानी की गुणवत्ता की जांच की। उपायुक्त ने कहा कि पहले किसानों को

नमूने लेकर प्रयोगशाला तक जाना पड़ता था, जहां रिपोर्ट आने में 2-3 दिन लगते थे और प्रति नमूना 100 से 150 रुपये तक खर्च करना पड़ता था। अब यह सेवा पूरी तरह निशुल्क और मौके पर ही उपलब्ध होगी।

पानी के 10 महत्वपूर्ण पैरामीटर्स की होगी जांच

लैब में पानी के करीब 10 महत्वपूर्ण पैरामीटर्स की जांच की जाएगी, जिनमें पीएच, घुलित ऑक्सीजन, सलिनिटी, अल्कलाइनिटी, टोटल हार्डनेस, कैल्शियम, मैग्नीशियम, अमोनिया, नाइट्रेट और नाइट्राइट शामिल हैं। इनकी रिपोर्ट से किसानों को तुरंत पता चल सकेगा कि पानी मछली पालन के लिए उपयुक्त है या नहीं और किस स्तर पर सुधार की आवश्यकता है। उपायुक्त ने कहा कि यह पहल मत्स्य पालन को अधिक वैज्ञानिक और लाभकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जिन तालाबों में अभी मत्स्य पालन शुरू होना है, उनके पानी की जांच भी की जाएगी ताकि पहले से ही उपयुक्तता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि किसान इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए लघु सचिवालय स्थित जिला मत्स्य अधिकारी कार्यालय (कमरा नंबर 302) में संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल और जिला मत्स्य अधिकारी आशा हुड्डा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटरः मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरीः इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिसः सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियरः यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिगनल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना हैः अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायकः हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूतः हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावरः दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

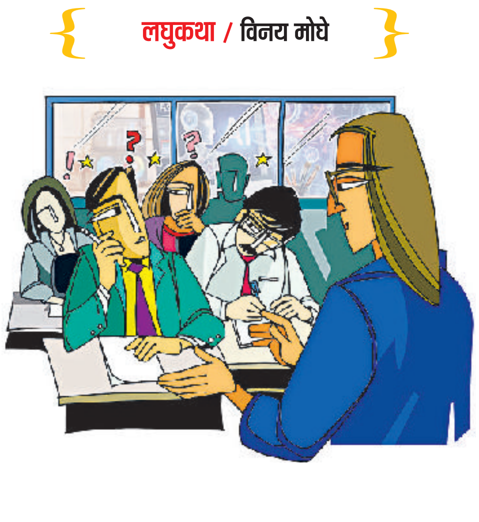

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिकाः पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादकः** देवांशु, **मूल्यः** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थलः** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

उत्तराखंड के ऑफबीट हिल स्टेशंस
दिखेंगे अनोखे नजारे-मिलेगा सुकून

गर्मियों में जब भी हिल स्टेशन पर सैर की बात आती है तो कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड भी पर्यटकों की हिट लिस्ट में शामिल होता है। लेकिन उत्तराखंड में केवल मसूरी, नैनीताल, हरिद्वार या अल्मोड़ा ही नहीं कई ऐसे छोटे ऑफबीट प्लेसेस भी हैं, जहां आपको दिलकश नजारे और अनोखा सुकून मिलेगा। ऐसे ही कुछ स्थलों पर एक नजर।

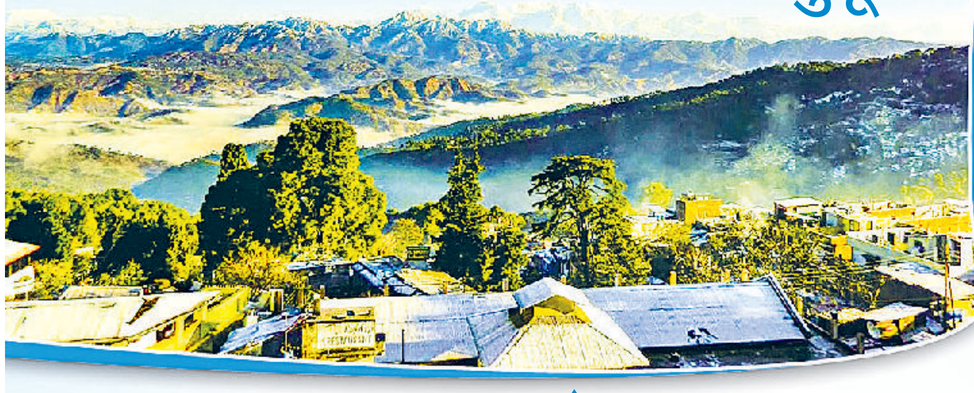

सैर-सपाटा / समीर चौधरी

इस तपती गर्मी में अगर आप उत्तराखंड की यात्रा करने की सोच रहे हैं तो भीड़-भाड़ भरे हिल स्टेशंस के बजाय इस बार कुछ ऑफबीट प्लेसेस का रुख कर सकते हैं। यहां की हरी-भरी वादियां और ऊंचे पर्वतों के बीच में से निकलती घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए आपको अनोखा अनुभव मिलेगा। हम आपको उत्तराखंड में स्थित ऐसे ही कुछ डिफरेंट हिल स्टेशंस के बारे में बता रहे हैं, जो इन गर्मियों में आपके घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशंस हो सकते हैं।

सर्द एहसास कराता है एबट

उत्तराखंड के एबट माउंट हिल स्टेशन के बारे में तो बहुत ही कम लोग जानते हैं, यही वजह है कि यहां लोगों की भीड़ देखने को नहीं मिलती। यह सुंदर जगह चीड़ व देवदार के जंगलों से घिरी हुई है। ब्रिटिश काल में बनाए गए यूनिक कॉटेज, इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यहां मौसम हमेशा ठंडा और माहौल बेहद सुकून भरा रहता है। यही वजह है कि यह जगह कपल्स, लेखकों, कलाकारों और अकेले घूमने वालों के लिए बहुत पसंदीदा मानी जाती है। यहां उगते हुए सूरज का सुंदर नजारा देखने के लिए, जंगल घूमने के लिए और पुराने ब्रिटिश कॉटेज देखने के लिए भी आपको जाना चाहिए।

प्राकृतिक सुंदरता-शांति का संगम पियोरा

उत्तराखंड का एक छुपा रुस्तम हिल स्टेशन है पियोरा, जो मुक्तेश्वर के नजदीक है। यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता व शांति के लिए विख्यात है। यहां की मोहक वादियों और दूर दिखने वाले हिमालय के पर्वतों का नजारा अत्यधिक सुकून प्रदान करता है। यहां न तो अधिक होटल हैं और न ही भीड़-भाड़ है। इसलिए गर्मियों में घूमने के लिए पियोरा अच्छी च्वाइस हो सकती है। पियोरा में आप जंगल के रास्तों पर ट्रैकिंग कर सकते हैं, डूबते हुए सूरज को देख सकते हैं।

पियोरा की मनमोहक वादियां

सदाबहार वन और घास के मैदान के लिए विख्यात चोपटा

ओक के घने पेड़ों से घिरा पंगोट

नैनीताल के पास पंगोट एक शांत एवं दिलकश हिल स्टेशन है, जो ओक और रोडोडेड्रोन के जंगलों से घिरा हुआ है। अगर आप ठंडे और सुकून भरे वातावरण घूमते हुए अनेक तरह के पक्षियों को देखना चाहते हैं तो यह स्थान आपके लिए परफेक्ट है। किलबरी बर्ड सेंचुरी यहीं पर है। यहां ट्रैकिंग भी कर सकते हैं।

पंगोट का खूबसूरत नजारा

मिनी स्विटजरलैंड जैसा चोपटा

चोपटा, रुद्रप्रयाग जिले में स्थित एक बेहद सुंदर हिल स्टेशन है, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक सदाबहार वन और घास के मैदान फैले हुए हैं। यहां गर्मियों में भी मौसम ठंडा रहता है। ऐसे में सुंदर रास्तों पर ड्राइव करने में बहुत आनंद आता है। पक्षी प्रेमियों के लिए तो यह स्थान जन्नत से कम नहीं है, क्योंकि यहां 240 से अधिक प्रजातियों के पक्षी देखे जा सकते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा चौकोरी

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चौकोरी एक बेहद सुंदर-शांत हिल स्टेशन है, जहां आप बर्फ से ढंकी हिमालय की चोटियां, विशेष रूप से नंदा देवी और पंचचूली के दिलकश नजारे देख सकते हैं। यहां खूबसूरत चाय के बागान भी हैं। इनमें घूमना आपको अनोखे एहसास से भर देगा। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थान आपको एक अलग ही अनुभव देगा।

भीड़ से दूर सुकून के लिए जखोल

उत्तरकाशी जिले के बेहद सुंदर हिल स्टेशन जखोल का महत्व इस लिहाज से भी है कि यह पारंपरिक व ऐतिहासिक गांव है, जो सांकरी के पास स्थित है। जखोल को 'पोटैटो विलेज' के नाम से भी जाना जाता है। जखोल में लकड़ी के घर, सीढ़ीदार खेत और सुंदर पहाड़ आप देख सकते हैं। गांव में घूमते हुए स्थानीय पहाड़ी संस्कृति को समझने के लिए भी यह स्थान उपयुक्त है। यहां हिमालयी ट्रैकिंग के कुछ प्रवेश द्वार भी हैं। इस तरह से कहा जा सकता है कि भीड़भाड़ से दूर सुकून और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए उत्तराखंड का जखोल आदर्श पर्यटन स्थल माना जा सकता है। *

सुहाने मौसम के लिए मशहूर खिर्सू

पौड़ी-गढ़वाल के सबसे सुंदर गांवों में से एक है खिर्सू। गर्मियों में भी खिर्सू का मौसम ठंडा व सुहावना रहता है। सुहाना मौसम और नजारे इतने दिलकश कि बर्फ से ढंके हिमालय को देखकर ऐसा जी करता है कि समय ठहर जाए, मंजर बदले ही नहीं। भीड़भाड़ से दूर अगर आपको अच्छे मौसम के साथ शांति भी चाहिए तो आपके लिए खिर्सू परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां के खास आकर्षणों में सेब के बागान, ओक के जंगल, प्राचीन मंदिर और हिमालय व्यू पॉइंट हैं।

खिर्सू, ऋषिकेश से तकरीबन 130 किमी. के फासले पर स्थित है। ऋषिकेश से खिर्सू पहुंचने का यात्रा अनुभव भी आप कभी नहीं भूल पाएंगे। ऋषिकेश से लगभग 3 घंटे की सड़क यात्रा के बाद आप खिर्सू पहुंचेंगे। वहां कदम रखते ही आपको लगेगा जैसे प्रकृति अपनी बांहें फैलाए आपके स्वागत को तैयार है। प्रकृति प्रेमियों के लिए तो खिर्सू जन्नत सा एहसास देता है- कोई भागम भाग नहीं, बस सुकून भरे पल। वहां पर आप इस गांव की सैर करने के अलावा, हिमालय का अद्भुत नजारा देख सकते हैं। प्राचीन चालेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं और नेचर वॉक कर सकते हैं। सेब के बागानों की सैर करते हुए दूर तक फैले देवदार और चीड़ के जंगल भी खिर्सू के मुख्य आकर्षण हैं। गर्मी की छुट्टियों के अलावा सितंबर से नवंबर या फिर फरवरी मार्च में भी आप खिर्सू जाने की योजना बना सकते हैं। यहां ठहरने के लिए सरकारी गेस्ट हाउस ही सबसे अच्छा विकल्प है।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म
दो हजार साल पुराना कंप्यूटर

आधुनिक कंप्यूटर का आविष्कार भले ही 19वीं सदी की बात हो। लेकिन आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व ऐसे डिवाइस मौजूद थे, जो किसी एनालॉग कंप्यूटर की तरह काम करते थे। ऐसे ही एक प्राचीन कंप्यूटर एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म के बारे में जानिए।

रोचक / शिखर चंद जैन

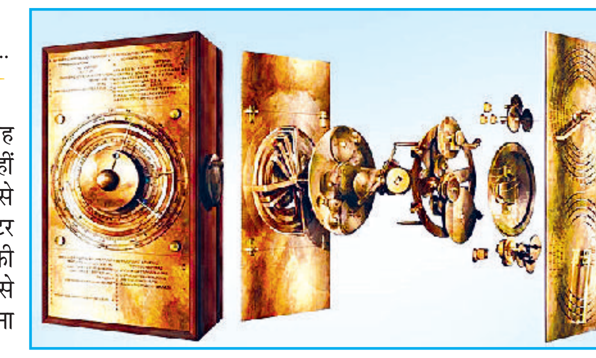

आपको शायद यह पढ़कर यकीन नहीं होगा कि आज से 2000 साल पहले भी कंप्यूटर मौजूद था। भले ही वो आज की तरह हाईटेक नहीं था लेकिन उसे कंप्यूटर का पहला स्वरूप माना जाता है।

समुद्र में मिला पहला कंप्यूटर: 1900 के पहले दशक की शुरुआत की बात है। ग्रीस (प्राचीन यूनान) के पास समुद्र की गहराइयों में डूबे एक जहाज के मलबे से मिली एक अजीबो-गरीब चीज ने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया था। भूमध्य सागर में, एंटीकाइथेरा नाम के एक छोटे से यूनानी द्वीप के पास, कुछ गोताखोर समुद्र की गहराइयों में मोती और स्पंज (समुद्री जीव) खोज रहे थे। उन्हें अचानक समुद्र के तल पर एक पुराना, डूबा हुआ जहाज मिला। यह जहाज सैकड़ों साल पुराना था। गोताखोरों ने मलबे से कई अद्भुत चीजें बाहर निकालीं- सुंदर मूर्तियां, धातु के बर्तन, ढेर सारी कीमती धातुएं और रत्न। लेकिन एक चीज सबसे अलग थी। वह धातु का एक अजीब-सा टुकड़ा था, जिस पर बहुत जंग लगी थी। यह कोई साधारण पत्थर या मिट्टी का बर्तन नहीं था। यह एक मशीन थी, जिसमें बहुत सारे गियर और पहिए लगे थे, ठीक वैसे ही जैसे हाथ घड़ी में होते हैं। इसे एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म कहा जाता है।

जब वैज्ञानिक इस जंग लगे टुकड़े को एथेंस के नेशनल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम में ले गए और उसे साफ किया, तो वे हैरान रह गए। यह कोई साधारण टुकड़ा नहीं था, यह दुनिया का सबसे पुराना 'एनालॉग कंप्यूटर' था!

इसलिए माना गया इसे कंप्यूटर: आज के कंप्यूटर बिजली से चलते हैं और उनमें कई चिप लगी होती हैं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म, बिजली से नहीं चलता था। यह एक मैकेनिकल कंप्यूटर था। इसका मतलब है कि यह छोटे-छोटे धातु के पहियों, जिन्हें गियर कहते हैं, से बना था। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में कम से कम 30 अलग-अलग गियर थे। जब कोई व्यक्ति इसमें एक हैंडल घुमाता था, तो मशीन के आगे और पीछे लगे डायल पर लगी सुइयां हिलती थीं। यह मशीन कंप्यूटर की तरह ही सटीक गणनाएं करती थी। हजारों साल पहले लोगों के अद्भुत इंजीनियरिंग की समझ का उदाहरण है एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म।

कई गणनाओं में था सक्षम: यह एक प्रकार का खगोलीय कैलकुलेटर था, जो अंतरिक्ष के बारे में गणना कर सकता था। यह ग्रहों और चंद्रमा की चाल बता सकता था। यह इस बात की भी गणना कर लेता था कि आने वाले महीनों और सालों में आकाश में चंद्रमा और सूर्य की स्थिति क्या होगी? यह कंप्यूटर पूर्णिमा और अमावस्या के साथ ही ग्रहण की भी गणना कर सकता था।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में एक खास डायल था, जिसे सरोस डायल कहते थे। यह डायल सटीक तरीके से बता सकता था कि अगले 18 सालों में सूर्य और चंद्र ग्रहण कब-कब होंगे? उस जमाने में यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

कंप्यूटर की संरचना: यह मशीन एक लकड़ी के बक्से के अंदर रखी हुई थी और इसके चारों ओर दरवाजे थे, जिन पर निर्देश लिखे थे। वैज्ञानिकों ने एक्स-रे तकनीक का उपयोग करके मशीन के अंदर देखा, उन्होंने पाया कि अंदर के गियर कांस्य यानी कॉपर के बने थे। उनकी संरचना छोटी और जटिल थी। कुछ गियर तो सिर्फ एक मिलीमीटर चौड़े थे। यह दिखाता है कि उस समय के कारीगर कितने कुशल थे। वे जानते थे कि गियर को एक-दूसरे के साथ सही अनुपात में कैसे फिट किया जाए ताकि वे गणितीय/खगोलीय गणनाएं कर सकें।

यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है: इस मशीन की खोज से पहले, वैज्ञानिकों को लगता था कि इतनी जटिल मशीनें मध्य युग या पुनर्जागरण काल तक नहीं बनाई गई थीं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म ने यह सोच बदल दी। इसने साबित कर दिया कि 2,000 साल पहले भी, लोगों के पास अविश्वसनीय तकनीकी ज्ञान था। यह मशीन आज की जटिल घड़ियों, कंप्यूटर और खगोलीय उपकरणों की पूर्वज मानी जाती है। *

लाफ्टर पर हावी होती टेक्नोलॉजी
हंसने-हंसाने का बदल गया तरीका

एक समय तक लोग हंसने के लिए एक-दूसरे को चुटकुले सुनाते, सर्कस में जोकर की हरकतें, स्टैंडअप कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवीज देखते थे। लेकिन आज एआई और चैट-जीपीटी के जमाने में हंसना-हंसाना भी स्वाभाविक न होकर टेक्नोलॉजी जेनरेटेड होता जा रहा है। हास्य के बदलते ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोइंपैक्ट / अपराजिता

हर साल मई के पहले रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर-डे मनाया जाता है। आज लाफ्टर-डे है। हास्य दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हंसी सिर्फ एक भाव नहीं बल्कि सामाजिक ऊर्जा भी है। एक ऐसी ताकत, जो तनाव, अलगाव और भय को दूर कर देती है। लेकिन इस एआई के दौर में सब चीजें वैसी ही नहीं रहीं, जैसी हम उन्हें अब तक जानते रहे हैं।

हास्य में एआई का हस्तक्षेप

हास्य के क्षेत्र में एआई ने जबरदस्त हस्तक्षेप किया है। आज का हास्य सिर्फ इंसानी अनुभव नहीं है बल्कि एक खास तरह का एल्गोरिद्म बन चुका है, डेटा और मशीन लर्निंग का मिला-जुला रूप है। आज एआई टूल्स ने हास्य को कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले स्टैंडअप कॉमेडी या व्यंग्य लेखन एक विशेष कौशल माना जाता था। लेकिन आज यह कौशल नहीं बल्कि प्रॉम्प्ट्स बनकर रह गया है। आप चैटजीपीटी या किसी भी लार्ज लैंग्वेज मॉडल को कुछ संकेत करिए, वो पल भर में आपको चुटकुले, मीम्स या व्यंग्यात्मक लेख तैयार करके दे देगा। इसका एक सकारात्मक पहलू यह है कि छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी हंसने की नई-नई विधाएं, नई-नई आवाजें उभर रही हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है, जब हर कोई हास्य बना सकता है, तो भला हंसने की जरूरत कहां रहती है? अगर हंसाना कोई खास गुण नहीं है, तो कोई दूसरे के हंसाने पर क्यों हंसेगा?

खो रही मौलिकता

पहले जब हम किसी के मौलिक हास्य से रूबरू होते थे, तो उसे एक खास प्रतिभा मानते थे, जो किसी-किसी को मिलती है। आज एआई ने इसमें भी एक तरह का संकट पैदा कर दिया है। कॉपी-पेस्ट कॉमेडी का खतरा बढ़ चला है। अगर आप गौर से सुनें तो एक हजार चुटकुलों में शायद ही दो-चार ऐसे आपको मिलेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी न सुना हो। दरअसल, हास्य का यह मशीनीकरण बहुत गहरे अर्थों में हमें हास्य से धीरे-धीरे दूर कर रहा है क्योंकि मशीन चाहे जितना बढ़िया हास्य भाव या हास्य रस पैदा कर ले, हम इंसान कभी संतुष्ट ही नहीं होंगे, न ही कभी उसे किसी तरह का रचनात्मक कर्म मानेंगे।

हास्य का पर्सनलाइजेशन

हास्य की दुनिया में एआई का एक बड़ा प्रभाव यह भी है कि इसने हंसने की समूची प्रक्रिया का 'पर्सनलाइजेशन' कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे व्यवहार, हमारी पसंदगी-नापसंदगी और हमारे देखने के ढंग पर इतनी बारीक निगाह रखती है कि जब वो हमें हास्य परोसती है, तो वही हास्य परोसती है, जिस पर हम हंसते हैं। लेकिन यह शुरू-शुरू में तो हंसाती है, बाद में एक ही जैसे कंटेंट देख-देखकर हम बोर होने लगते हैं। कहने का मतलब यह कि एआई का हास्य जितनी तेजी से आकर्षित करता है, उतनी ही तेजी से हमें विकर्षित भी करता है यानी मोहभंग भी उसी रफ्तार से होता है। क्योंकि एआई हमें एक खास तरह के ईको चैंबर में कैद कर देती है और यह इंसानी फितरत होती है कि वह किसी भी एकरसता से ऊब जाता है, चाहे फिर एकरसता उसकी कितनी ही पसंद की क्यों न हो? हास्य व्यंग्य के सामने एआई ने यही सबसे बड़ा खतरा पैदा कर दिया है कि थोक के भाव में जब किसी किस्म का हास्य तैयार होगा, तो वह कितने दिनों तक हंसा पाएगा या उसके हंसाने में कितने दिनों तक नयापन, ताजगी या अनोखापन रह पाएगा। आज के दौर का सबसे लोकप्रिय हास्य माध्यम मीम है। एआई ने मीम निर्माण को इतना मशीनीकृत कर दिया है कि कोई घटना घटती नहीं कि कुछ ही मिनट में हजारों, लाखों मीम्स तैयार हो जाते हैं। शुरू-शुरू में इस कौशल ने जरूर रोमांचित किया था। क्योंकि उसके पहले इंसान की रफ्तार इतनी तेज नहीं थी, लेकिन आज ये कौशल रोमांच नहीं कर रहा बल्कि कुछ ही देर में उबाने लगता है। एआई का हास्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा यही है कि यह इसे डेड कॉमेडी बनाती जा रही है। *

एआई-लाफ्टर के पांच बड़े ट्रेंड

इंस्टेंट कॉमेडी: यह वो हास्य ट्रेंड है, जिसमें सेकेंडों में चुटकुले और मीम्स तैयार किए जाते हैं।

पर्सनलाइजेशन: आज एआई, हर व्यूवर और हर लिसनर को ध्यान में रखकर उसकी पसंद, नापसंद के मुताबिक हास्य तैयार करता है। यह अलग ही किस्म का हास्य अनुभव है।

ग्लोबल ह्यूमर: आज बाकी क्षेत्रों की तरह ही हास्य की दुनिया में भी भाषा और संस्कृति की सीमाएं टूट रही हैं।

एथिकल चैलेंज: पहले मजाक सिर्फ मजाक तक सीमित रहता था, वह अपमान की हद तक नहीं जाती थी, लेकिन आज एआई के प्रभाव में कॉमेडियन भी हास्य को अपमान की सीमा तक ले जाने में संकोच नहीं करते हैं।

ह्यूमन-एआई सहयोग: यह एक ऐसा भविष्य का कॉमेडी मॉडल है, जो अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है, मगर इसके कुछ-कुछ रूप रंग दिखने लगे हैं, जिससे पता चलता है कि ये बाकी सबसे ज्यादा मशीनी होगा।

लाफ्टर डोज से भरपूर
बेहतरीन कॉमेडी फिल्में

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में कॉमेडी, दर्शकों का पसंदीदा जॉनर रहा है। इसीलिए कॉमेडी करने वाले एक्टर्स ही नहीं सीरियस एक्टर्स ने भी कई फिल्मों में कॉमेडी की। नए-पुराने दौर की कुछ बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

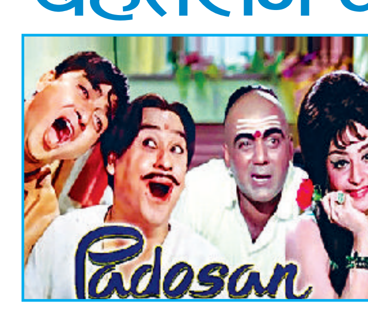

सिने ट्रेंड / अशोक वाधवाणी

रोजमर्रा की भाग-दौड़ और तनाव से कुछ देर राहत पाने के लिए अधिकांश दर्शक हिंदी कॉमिक फिल्में देखना खूब पसंद करते हैं। यही वजह है कि शुरुआती दौर से ही लाफ्टर के डोज से भरपूर एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में बनती रही हैं। ऑल टाइम फेवरेट कुछ कॉमेडी फिल्मों और एक्टर्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

महमूद की कॉमेडी फिल्में: हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर में नाममात्र की कॉमेडी फिल्में बनती थीं। पुराने दौर के फेमस कॉमेडियन और वर्सेटाइल एक्टर महमूद ने फिल्मों में एक्टिंग के साथ-साथ कई कॉमेडी फिल्मों का निर्माण भी किया। इनमें प्रमुख हैं- 'छोटे नवाब', 'भूत बंगला', 'पड़ोसन', 'बॉम्बे टू गोवा' आदि। 'पड़ोसन' एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी है, जो बॉलीवुड कॉमेडी मूवीज का माइलस्टोन है। उत्कृष्ट गीत-संगीत, संवाद के अलावा सुनील दत्त, किशोर कुमार, महमूद और सायरा बानो के बेहतरीन अभिनय का संगम है यह फिल्म। आज भी इस फिल्म का क्रेज कायम है।

किशोर कुमार की यादगार कॉमेडी मूवीज: बेहतरीन गायक और अभिनेता, किशोर कुमार ने भी कई कॉमेडी फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को खूब हंसाया-गुदगुदाया। 'हाफ टिकट', 'चलती का नाम गाड़ी', 'दिल्ली का ठग', 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे', 'प्यार किए जा' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनमें किशोर कुमार की नायक और गायक दोनों ही भूमिकाओं को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

सीरियस डायरेक्टर्स की कॉमिक फिल्में: कॉमेडी फिल्मों के क्रेज को देखते हुए ही सीरियस फिल्में बनाने वाले कई डायरेक्टर्स ने भी कॉमेडी फिल्में बनाईं। हृषिकेश मुखर्जी ने पहले 'गोलमाल' (1979) बनाई जो हिट रही। फिर इसकी सक्सेस से प्रेरित होकर 'चुपके-चुपके', 'रंग-बिरंगी', 'खूबसूरत' जैसी कॉमेडी मूवी बनाकर ऑडियंस को चौंकाया। इसी तरह गुलजार की 'अंगूर' (1982) ऑल टाइम लाइक की जाने वाली कॉमेडी मूवी है। राजकुमार संतोषी की 'अंदाज अपना-अपना' (1994) बढ़िया कॉमेडी मूवी है।

कॉमेडी करने वाले सीरियस एक्टर: दिलीप कुमार जैसे सीरियस एक्टर ने भी 'राम और श्याम', 'गोपी' के अलावा 'आजाद' और 'कोहिनूर' में भी मीना कुमारी के साथ जमकर कॉमेडी की। 'खूबसूरत' में रेखा ने भी अपनी कॉमिक टाइमिंग का कमाल दिखाया। संजीव कुमार जैसे संजीदा अभिनेता ने 'मनचली', 'अपने रंग हजार', 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी स्वाभाविक शैली में खूब मनोरंजन किया। अशोक कुमार ने 'विक्टोरिया नंबर 203' में प्राण के साथ मिलकर जबरदस्त कॉमेडी की। इनके अलावा परेश रावल, पंकज त्रिपाठी, नवाजुद्दीन सिद्दिकी, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी ने भी कई कॉमिक रोल किए हैं।

नए दौर की कॉमेडी फिल्में: हाल के दशकों में आई हिंदी कॉमेडी फिल्मों की बात करें तो निर्देशक प्रियदर्शन ने कुछ बेहतरीन कॉमेडी मूवीज बनाई हैं। 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'हलचल', 'दे दनादन' 'ढोल', 'चुप-चुपके' प्रियदर्शन की ऐसी ही फिल्में हैं, जिन्हें देखते हुए दर्शक लोट-पोट हो जाते हैं। कुछ अन्य फिल्म मेकर्स ने भी कमाल की कॉमेडी फिल्में बनाई हैं। कॉमेडी फिल्म 'धमाल' (2007) की दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में कोई एक्ट्रेस नहीं है। 'चाची-420' में कमल हासन और 'आंटी नंबर वन' में गोविंदा लेडीज गेटअप में नजर आए हैं। इन दोनों फिल्मों ने भी दर्शकों को खूब हंसाया।

ये कॉमिक गाने भी हुए हिट: बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई सॉन्ग्स भी बने हैं, जिनमें कॉमेडी का तड़का है। महमूद पर तो बड़ी संख्या में कॉमेडी गीत पिक्चराइज हुए हैं। 'पड़ोसन' का गीत 'एक चतुर नार, बड़ी होशियार...' को कौन भूल सकता है भला! इसी तरह 'नमक हलाल' का गीत 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी...' मनोरंजक है। हाल के दौर में इस तरह के गीतों की बात करें तो 'साड़ी के फॉल सा...' (आर. राजकुमार), 'चिंता ता ता चित्ता चित्ता...' (राउडी राठौर), 'मां दा लाडला बिगड़ गया...' (दोस्ताना), 'चलाओ ना नैनों के बाण रे...' (बोल बच्चन) 'हट्टे-कट्टे, उल्लू के पट्ठे। एक ही थाली के चट्टे-बट्टे...' (चश्मे बद्दूर) आदि ऐसे लोकप्रिय गीत हैं, जो गुदगुदाते भी हैं।

क्लाइमैक्स में कॉमेडी: जिस तरह एक्शन फिल्मों का क्लाइमैक्स काबिले गौर होता है, ठीक वही बात कॉमेडी फिल्मों पर भी लागू होती है। निर्माता राज कपूर और निर्देशक राहुल रवैल की जोड़ी की मूवी 'बीवी-ओ-बीवी' के अंत में कार रेस के साथ, रणधीर कपूर द्वारा बाइक पर किया गया पीछा हंगामेदार है। कारों की ऐसी कलाबाजियां होती हैं, जिसे देखकर दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाते। इसी तरह 'धमाल' (2007) में खजाना पाने की लालसा में सारे कलाकार एक-दूसरे को पछाड़ते हुए आगे निकलने के लिए जो तिकड़में लगाते हैं, वो कहकहे लगाने के लिए काफी हैं। 'वेलकम' (2007) में मधुमक्खियों के छत्ते का झुंड सभी कलाकारों पर आक्रमण करता है। उसके बाद जो भगदड़ मचती है, हंगामा होता है, वो देखने लायक है। प्रियदर्शन की 'हलचल' में अक्षय खन्ना और करीना कपूर के विवाह से पहले मंगलसूत्र को लेकर छीना-झपटी होती है। सबके बीच ऐसी भागदौड़ शुरू होती है कि दर्शक हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं। *